CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 42 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, मंगलवार, 20 सितम्बर, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

6 राज्यों ने दिया राहुल को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव

कांग्रेस कमेटियों ने कहा- राहुल ही बनें अध्यक्ष; 17 अक्टूबर को होना है चुनाव

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव से पहले 6 राज्यों की कांग्रेस कमेटियों ने राहुल गांधी को पार्टी की कमान सौंपने का प्रस्ताव पास किया है। हाल ही में महाराष्ट्र, बिहार और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने इसका प्रस्ताव पास किया, जबकि राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ पहले ही इसे मंजूरी दे चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए 23 सितंबर को अधिसूचना जारी होगी, जबकि 17 अक्टूबर को चुनाव प्रस्तावित है। अभी सोनिया गांधी कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष हैं, जबकि पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनाव लड़ने को लेकर साफ तौर पर कुछ नहीं कहा है। इसी वजह से अब तक पार्टी के अंदर अध्यक्ष पद के लिए किसी एक नाम को लेकर सहमति नहीं बनी है।

राहुल ने कहा था- चुनाव बाद इस पर बात करूंगा

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 9 सितंबर को तमिलनाडु में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल ने कहा था कि वे चुनाव लड़ेंगे या नहीं, इस पर बाद में बात करेंगे। उन्होंने आगे कहा- मैंने इस पर

अपना फैसला कर लिया है, मेरे मन में अब कोई भ्रम नहीं है। अगर मैं चुनाव नहीं लड़ा, तो आपको इसकी वजह भी बता दूंगा।

कांग्रेस में अध्यक्ष कौन, तीन नाम सबसे आगे

सोनिया गांधी- 2019 में जब राहुल ने कुर्सी छोड़ी, तो पार्टी में किसी और नेता के नाम पर सहमति नहीं बनने के बाद सोनिया को कमान सौंपी गई। अभी भी सोनिया ही पार्टी अध्यक्ष हैं। पुराने और नए नेताओं के बीच सर्वमान्य होने की वजह से 2024 तक कुर्सी इनके पास ही रहने की अटकलें हैं।

राहुल गांधी- कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे राहुल गांधी का नाम है। हालांकि खुद राहुल कई बार पार्टी अध्यक्ष बनने से इनकार कर चुके हैं। पार्टी अध्यक्ष से पहले राहुल कांग्रेस संगठन में महासचिव और उपाध्यक्ष रह चुके हैं।

अशोक गहलोत- गांधी परिवार से किसी के अध्यक्ष नहीं बनने की स्थिति में अशोक गहलोत को कांग्रेस की कमान मिल सकती है। गहलोत राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं और पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। पार्टी का बड़ा ओबीसी चेहरा होने के साथ-साथ उन्हें संगठन का भी काफी अनुभव है।

19 अक्टूबर को मिलेगा कांग्रेस को नया अध्यक्ष

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए 17 अक्टूबर को वोटिंग होगी और 19 अक्टूबर को काउंटिंग होगी। चुनावी शेड्यूल के मुताबिक 22 सितंबर को चुनाव संबंधी नोटिफिकेशन जारी होगा। 24 सितंबर से 30 सितंबर तक नॉमिनेशन किया जा सकेगा। हालांकि अगर अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ एक उम्मीदवार होता है तो ऐसी स्थिति में रिजल्ट की घोषणा 30 सितंबर को ही

गहलोत बोले- बीजेपी का बस चले तो सरकार गिरा दे: कहा-

हमने जानबूझकर असेंबली सेशन कंटिन्यू रखा, इनकी नीयत खराब हो जाए तो

वीर वीरांगना

जयपुर। विधानसभा के बजट सत्र को खत्म करने का प्रोसेस नहीं करके उसे कंटिन्यू करने पर हुए विवाद पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी पर पलटवार किया है। गहलोत ने कहा- हमने जानबूझकर असेंबल को कंटिन्यू रखा है। अगर इनकी नीयत खराब हो जाए तो हमने इनकी ऐसी हालत कर दी कि चलने नहीं दी। इनका बस चले तो ये सरकार गिरा दें। इसलिए जानबूझकर हमने ऐसा किया। गहलोत ने कहा- बीजेपी वालों से पूछिए विधानसभा सत्र को कंटिन्यू रखने की ये नौबत क्यों आई। असेंबली कंटिन्यू क्यों रखी गई। इन्होंने देश में हॉर्स ट्रेडिंग का नया मॉडल बनाया है। सरकारें गिरा रहे हैं। पहले अरुणाचल, फिर एमपी, कर्नाटक, महाराष्ट्र में सरकारें गिराई। झारखंड में कोशिश की। कई राज्यों में कोशिश कर रहे हैं।

गहलोत ने कहा- पिछली बार राज्यपाल को मजबूर कर दिया। यह

कभी नहीं हुआ कि कैबिनेट असेंबली बुलाने के लिए रिक्वेस्ट करती है। राज्यपाल मना कर दे। कैबिनेट की रिक्वेस्ट के बाद राज्यपाल को असेंबली बुलानी ही पड़ती है। उस वक्त उल्टा हुआ। राज्यपाल के खिलाफ इतने एडिटोरियल लिखे गए, जो आज तक कभी नहीं हुआ था। क्योंकि राज्यपाल को इशारा था। असेंबली बुलाने की रिक्वेस्ट हम कर रहे हैं, वो बुला नहीं रहे हैं। कई बार मेजोरिटी नहीं होती तो राज्यपाल सरकार को आदेश देता है कि आपको असेंबली बुलाकर अपना बहुमत साबित करना है। उस वक्त उल्टा हो रहा था। उस केस में विधायकों का धरना हुआ था। गहलोत ने कहा- इसलिए हमने जानबूझकर असेंबली को कंटिन्यू रखा। अगर इनकी नीयत और खराब हो जाए, हमने इनकी ऐसी हालत कर दी कि चलने नहीं दी। इनका बस चले तो ये तो कभी सरकार गिरा दें। इसलिए जानबूझकर हमने ऐसा किया। नुकसान हमें हुआ। हम कई अध्यादेश लाने वाले थे। ला नहीं पाए।

बीजेपी विधायक नाटक कर रहे हैं

गहलोत ने कहा- बीजेपी विधायक आज धरना देकर नाटक कर रहे हैं। धरना देकर नाटक करना है तो दिल्ली में दीजिए। मैंने तो लंपी स्किन रोग को लेकर 15 अगस्त को मीटिंग बुलाकर विपक्ष के नेताओं को बुलाया।सब से बात की, धर्मगुरुओं से बात की। हमारी प्रायोरिटी है कि लंपी स्किन रोग से गायों की जान कैसे बचे, लेकिन वैक्सीन भारत सरकार देगी। दवाइयां वो उपलब्ध करवाएगी। हम तो मांग भारत सरकार से कर रहे हैं कि आप राष्ट्रीय आपदा घोषित करो। उस मांग पर विपक्ष के नेता हमारा साथ दें, उसके बजाय ये यहां धरना दे रहे हैं, नाटक कर रहे हैं। चिंता हमें लंपी स्किन रोग की है। विपक्ष से चाहेंगे वो हमें सहयोग करे। जुलाई 2020 में सचिन पायलट खेमे की बगावत के समय राजभवन और सरकार आमने सामने हो गए थे। गहलोत कैबिनेट ने 31 जुलाई 2020 को विधानसभा सत्र बुलाने के लिए राजभवन प्रस्ताव भेजा। गहलोत उस वक्त अपने दम पर बहुमत साबित करना चाहते थे। राज्यपाल ने विधानसभा सत्र बुलाने की फाइल पर कई ऑब्जेक्शन लगाकर सरकार को लौटा दिया। राज्यपाल ने कम से कम 14 दिन का नोटिस देकर ही सदन बुलाने की शर्त रखी। तत्काल सत्र बुलाने का कारण पूछा था। जब चार बार फाइल लौटाई तो सीएम अशोक गहलोत ने सभी विधायकों के साथ 24 जुलाई 2020 को राजभवन में धरना दिया, राज्यपाल के खिलाफ नारेबाजी की। धरने के बाद शाम को समझौता हुआ, राज्यपाल विधानसभा सत्र बुलाने की मंजूरी देने पर राजी हुए।

5 जजों की बेंच करेगी सजा-ए-मौत पर फैसला: सुप्रीम कोर्ट बोला

गाइडलाइन के लिए संविधान पीठ बने, पिछली बार कहा था- मौत की सजा पलट नहीं सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मौत की सजा से जुड़े मामले पर सुनवाई करते हुए इसके लिए संविधान पीठ बनाने का आदेश दिया। सीजेआई यूयू ललित, जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने कहा कि ऐसे सभी मामले, जिनमें मौत की सजा विकल्प है उन्हें कम करने वाली परिस्थितियों को रिकॉर्ड में रखना जरूरी है। हालांकि, मौत की सजा को कम करने वाले हालात को आरोप साबित होने के बाद ही दोबारा दर्ज किया जा सकता है।

सजा-ए-मौत से पहले अलग सुनवाई जरूरी

संविधान पीठ बनाने का आदेश देने से पहले बेंच ने कहा कि एक आरोपी को मौत की सजा देने से पहले सुनवाई के संबंध में कई विरोधी फैसले थे। बच्चन सिंह मामले में कोर्ट ने भारत के 48वें विधि आयोग की सिफारिशों के अनुसार मौत की सजा देने से पहले आरोपियों की अलग सुनवाई अनिवार्य कर दी थी।

17 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था

सीजेआई यूयू ललित ने 17 अगस्त को इस मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। उन्होंने कहा था- मृत्युदंड की सजा और दोषी के मरने के बाद फैसले को न

बदल सकते हैं न हटा सकते हैं। यानी आरोपी को अपराध की गंभीरता को कम साबित करने का मौका देना जरूरी है, ताकि कोर्ट को बताया जा सके कि मृत्युदंड की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सुओ-मोटो केस की सुनवाई की। कोर्ट यह सुनिश्चित करना चाहता है कि मृत्युदंड की संभावना वाले मामलों में ट्रायल के दौरान सुबूतों को शामिल किया जाए, क्योंकि इस मामले में तुरंत कार्रवाई की जरूरत है।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के केस पर लिया था फैसला

मौत की सजा कम करने और दोषी का पक्ष सुनकर फैसला लेने का यह मामला इरफान नाम के शख्स की याचिका के बाद सामने आया। इसमें निचली अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई थी और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इसे जारी रखा था।

स्टूडेंट्स को जंगलों में करवाई जाएगी मुफ्त सफारी: फोरेस्ट डिपार्टमेंट कल से मांगेगा ऑनलाइन आवेदन

जयपुर। अगले महीने 2 तारीख से फोरेस्ट डिपार्टमेंट राजस्थान पढ़ने वाले स्कूली बच्चों को प्रदेश की अलग-अलग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में मुफ्त सफर करवाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे जाएंगे। ये आयोजन अगले महीने से शुरू होने वाले वाइल्ड लाइफ वीक के मौके होगा। फोरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों के मुताबिक 10 हजार स्टूडेंट्स को ये सफारी करवाई जाएगी। ये सफारी सरिस्का, रणथम्भौर, रामगढ़ विषधारी, मुकुंदरा हिल्स, झालाना, आमागढ़, तालछापर समेत अन्य वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में विजिट करवाई जाएगी। इसके अलावा डिपार्टमेंट की ओर से इस वीक के दौरान कई तरह की एक्टिविटी भी करवाई जाएगी, जो अलग-अलग जगहों पर होगी और हजारों लोगों को इसमें शामिल किया जाएगा।

इस वीक को करवाने का मुख्य उदेश्य राजस्थान में वन्य जीवों, प्रकृति के प्रति लोगों के रूझान को बढ़ाना और आकर्षण करना है। आपको बता दें कि राजस्थान में अभी 2 टाइगर सेंचुरी और 3 लेपर्ड सेंचुरी है, जहां हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक घूमने आते है। फोरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों की माने तो स्टूडेंटस ऑनलाइन आवेदन करेंगे। इसके लिए डिपार्टमेंट की साइट पर ऑनलाइन लिंक दिया जाएगा, जिसमें आवेदन कर सकेंगे। राजस्थान में पर्यटकों के लिए सरिस्का, रणथम्भौर को एक अक्टूबर से खोला जाएगा।

राजस्थान में कोर्ट के बाहर गैंगस्टर का दिनदहाड़े मर्डर

पेशी पर आया था संदीप विश्नोई, 9 गोलियां मारीं; 2 साथी गंभीर घायल

नागौर। राजस्थान में नागौर कोर्ट परिसर में सोमवार को दिनदहाड़े गैंगवार हो गया। कोर्ट परिसर के बाहर पुलिस के सामने ही शूटर्स ने गैंगस्टर संदीप विश्नोई को गोली मार दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। संदीप नागौर जेल में ही बंद था। वहीं उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। नागौर पुलिस गैंगस्टर संदीप को लेकर दोपहर में कोर्ट में पेशी के लिए पहुंची थी। इसी दौरान कार में आए शूटर्स ने गैंगस्टर संदीप को गोलियों से भून दिया। बताया जा रहा है कि शूटर हरियाणा के थे। बदमाशों ने करीब 9 फायर किए। सभी शूटर बाइक पर आए थे। बदमाशों की तलाश में पुलिस ने नागौर के आसपास नाकेबंदी कर दी है। सभी गाड़ियों को चेक किया जा रहा है।

घटना के बाद कोर्ट के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई। संदीप के शव को अस्पताल में रखवाया गया है। संदीप सुपारी किलर था। संदीप हरियाणा का कुख्यात गैंगस्टर और सुपारी किलर था। वह सेठी गिरोह से जुड़ा था।

कैप्टन की पीएलसी का भाजपा में विलय

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बीजेपी जॉइन की, केंद्रीय कृषि मंत्री ने पार्टी में शामिल किया

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शाम 6 बजे भाजपा जॉइन कर ली। नई दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने उन्हें पार्टी में शामिल किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरन रिजीजू भी मौजूद रहे। कैप्टन ने अपनी 'पंजाब लोक कांग्रेस' (पीएलसी) पार्टी का विलय भी बीजेपी में कर दिया। कैप्टन रविवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। सोमवार सुबह उन्होंने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्?डा से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद नड्?डा के साथ अपनी फोटो कैप्टन ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट की। इस मुलाकात में नड्?डा ने कैप्टन को नई राजनीतिक पारी के लिए शुभकामनाएं दी। इसके बाद शाम तकरीबन साढ़े 5 बजे कैप्टन भाजपा मुख्यालय

पहुंचे। यहां शाम 6 बजे केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने कैप्टन को भाजपा में शामिल कराया। पंजाब में कांग्रेस में कैप्टन के साथी रहे कई नेता जैसे सुनील जाखड़, बलबीर सिद्धू, राजकुमार वेरका, राणा गुरमीत सोढ़ी, फतेह जंग सिंह बाजवा, गुरप्रीत सिंह कांगड़, सुंदर शाम अरोड़ा, केवल ढिल्लों पहले ही भाजपा जॉइन कर चुके हैं। भाजपा पंजाब में पार्टी के पुनर्गठन की तैयारी में है, क्योंकि वर्तमान भाजपा प्रदेश प्रधान अश्वनी शर्मा का कार्यकाल खत्म होने वाला है। ऐसे में पंजाब लोक कांग्रेस का बीजेपी में विलय होने के बाद पार्टी नेतृत्व कैप्टन और उनके करीबियों को पंजाब में अहम जिम्मेदारियां सौंप सकता है। जनवरी 2020 में पंजाब भाजपा इकाई के प्रधान बने अश्वनी शर्मा का 3 साल का कार्यकाल जनवरी-2023 में खत्म रहा है। वर्तमान विधानसभा में भाजपा के सिर्फ 2 विधायक हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पिछले साल नवजोत सिद्धू के मुद्दे पर कांग्रेस हाईकमान के साथ हुए टकराव के बाद पंजाब के सीएम पद से इस्तीफा देने के साथ ही कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी।

जम्मू-कश्मीर में पहली बार वोट डालेंगे पाक शरणार्थी

पाकिस्तान से आए 5400 परिवारों को 68 साल बाद जमीन का हक मिला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पश्चिमी पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को जमीन का मालिकाना हक देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक, 1947 के बाद 5,400 परिवार पाकिस्तान से जम्मू के सीमावर्ती क्षेत्रों में आए थे। अधिकांश हिंदू और सिख थे। ये परिवार कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों में बस गए। 1954 में जम्मू, सांबा और कठुआ में इन्हें 46,666 कनाल (5,833 एकड़) जमीन दी गई थी, लेकिन 68 साल बीतने के बाद भी जमीन का मालिकाना हक नहीं मिला। दरअसल, इन्हें जम्मू-कश्मीर का नागरिक नहीं माना जाता था।

भारत-पाक सरहद पर फिर ड्रोन मूवमेंट

21 करोड़ की हेरोइन के साथ पिस्टल और 8 राउंड बरामद

अमृतसर। भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक बार फिर पाक तस्करों की तरफ से ड्रोन भेजा गया। सतर्क बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों ने ड्रोन की मूवमेंट को भांपा और सर्च के दौरान हेरोइन व हथियार बरामद कर लिए। रिकवरी के बाद बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने भारतीय सरहद पर सर्च अभियान चलाया, ताकि पाकिस्तान तस्करों की नापाक कोशिश को विफल किया जा सके। पाकिस्तानी तस्करों ने अटारी बॉर्डर के सटे गांव पुल मोरां की बीओपी में रात के समय ड्रोन की मूवमेंट कराई। बीएसएफ की बटालियन 22 के जवान उस समय गश्त पर थे। मिली जानकारी के अनुसार, यह हरकत तड़के 3 बजे के करीब हुई। जवानों ने ड्रोन की मूवमेंट को देखते ही उसे फॉलो करना शुरू कर दिया। ड्रोन ने जैसे ही खेप को खेतों में ड्रोप किया, जवानों ने सर्च शुरू कर दी।

पुल मोरां से मिली खेप, वजन करीब 3 किग्रा, बटालियन 22 के जवान गश्त पर थे

15 दिन में 7 बार ड्रोन के जरिए भारत में हेरोइन की खेप भेजने का प्रयास हो चुका

तीन पैकेट हेरोइन व हथियार जब्त

बीएसएफ के जवानों को पुल मोरां से सर्च के दौरान एक काले रंग का पैकेट मिला। पैकेट में तीन छोटे पैकेट हेरोइन के थे, जिसका कुल भार तकरीबन 3 किग्रा के आसपास हो सकता है। इंटरनेशनल मार्केट में उसकी कीमत तकरीबन 21 करोड़ है। खेप के साथ एक पिस्टल व 8 जिंदा राउंड भी थे। ड्रग्स और हथियार बीएसएफ के जवानों ने जब्त कर लिए।

15 दिन में 7 बार हुई हरकत

सरहद पर सख्ती के चलते पाकिस्तान तस्करों को जम्मू-कश्मीर और गुजरात तटों का सहारा हेरोइन की तस्करी के लिए लेना पड़ रहा है। तकरीबन एक साल में ही 500 किग्रा से अधिक हेरोइन गुजरात में पकड़ी जा चुकी है। बीते 15 दिन में पंजाब बॉर्डर के जरिए 7 बार पाकिस्तान तस्करों ने ड्रोन के जरिए भारत में हेरोइन की खेप भेजने का प्रयास किया है।

सियाचिन ग्लेशियर पर इंटरनेट सर्विस शुरू

19061 फीट की ऊंचाई पर सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस एक्टिवेट, भारतीय सेना को मिलेगी मदद

लद्दाख। दुनिया के सबसे ऊंचे बैटलफील्ड यानी सियाचीन ग्लेशियर पर भी इंटरनेट की सुविधा शुरू हो गई है। इंडियन आर्मी की फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ने इस दिशा में ये अहम कदम उठाया है। फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ने सियाचीन की 19061 फीट की ऊंचाई पर सैटेलाइट-आधारित इंटरनेट सर्विस को एक्टिवेट कर दिया है। इस क्षेत्र में इंटरनेट सेर्विस रविवार (18 सितंबर) ही शुरू कर दी गई है। पहले इस क्षेत्र में इंटरनेट न होने के कारण भारतीय सेना को मैसेज भेजने में काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब सेनाओं को खुफिया जानकारी साझा करने में और आसानी होगी।

संपादकीय

सात दशक बाद चीता

लुप्त होने के बावजूद आधी सदी से भी अधिक समय तक भारतीयों के अवचेतन में मौजूद रहा चीता अब एक हकीकत बन गया है। जिसे पारिस्थितिकीय तंत्र की बहाली की दिशा में सार्थक पहल बताया जा रहा है। पर्यटकों व वन्यजीवियों के उत्साह के इतर इससे स्थानीय समुदायों के लिये आजीविका के अवसर बढ़ने की बात कही जा रही है। इस अंतर-महाद्वीपीय परियोजना को लेकर देश-दुनिया में खास चर्चा है। बहरहाल, मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय पार्क में इन अफ्रीका से लाये गये आठ चीतों को लेकर खूब गहमागहमी है। कुछ दिन अलग रखने के बाद जब ये चीते भारतीय वातावरण के अनुकूल हो जायेंगे तो विशेष रेडियो-कॉलर लगे चीते नेशनल पार्क का हिस्सा बन जायेंगे। बताते हैं कि पांचवें दशक में चीता भारत से लुप्त हो गया था। अब इसे फिर से आबाद करने के लिये वन व पर्यावरण मंत्रालय ने महत्वाकांक्षी योजना को अंजाम दिया। लेकिन इस परियोजना को लेकर जहां उत्साह है, वहीं आशंकाएं भी कम नहीं हैं। कुछ पर्यावरणवादी कह रहे हैं कि इस प्रयास से जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण सेवाओं को लाभ मिलेगा। स्थानीय पर्यटन बढ़ेगा। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में फूड चेन का जो असंतुलन हो रहा था उसमें सुधार आयेगा। वहीं एक वर्ग आशंका जता रहा है कि यह उद्यान चीतों के लिये आदर्श नहीं क्योंकि बाघ व तेंदुओं के बीच संघर्ष में चीतों को शिकार करने में बाधा पैदा होगी। निस्संदेह यह यक्ष प्रश्न बना रहेगा कि चीते खुद को भारत के वातारवरण के अनुरूप सहजता से ढाल पायेंगे?

बहरहाल, इस कदम को जैव विविधिता के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दुनिया ने देखा है कि भारत ने बाघों का संरक्षण करके मिसाल कायम की है। वह बात अलग है कि तस्करों व शिकारियों के हमलों से वन्य जीवों के जीवन पर संकट बरकरार है। वहीं अन्य जीवों को पर्याप्त संरक्षण नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में दूसरे महाद्वीप में बसाये जा रहे चीतों को लेकर शेष दुनिया की नजर बनी रहेगी। वहीं भारत में हर किसी की इच्छा होगी कि नामीबिया से लाये गये चीतों का कुनबा भारत में बढ़े। कोशिश करें कि राष्ट्रीय उद्यानों व अभ्यारण्यों में मानवीय हस्तक्षेप कम से कम हो। हमें यह ध्यान रखना होगा कि कई दुर्लभ प्रजातियों पर अस्तित्व का संकट मंडरा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के दौर में देश के जनमानस को पर्यावरण व जैव विविधता के महत्व को बताना होगा और वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना होगा। उन्हें बताना पड़ेगा कि मानव अस्तित्व भी जैव विविधिता के संरक्षण से जुड़ा है। ये आने वाला वक्त बतायेगा कि ये चीते शेरों व तेंदुओं से अपना बचाव किस हद तक कर पाते हैं। निस्संदेह सरकार ने सभी पहलुओं पर विचार करके ही यह कदम उठाया होगा। जनजागरण के लिये चीता मित्रों की फौज भी एक रचनात्मक पहल ही कही जायेगी। यह सार्थक ही है कि मनमोहन सरकार के समय हुई पहल नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान सिरे चढ़ सकी।

मोदी की दो टूक

यूक्रेन को नेस्तनाबूद करने की जिद पर अड़े रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यह समझाइश देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आइना दिखाने का काम किया है कि 'आज का युग युद्ध का नहीं है। वक्त इस युद्ध के कारण मुसीबतों में घिरती जा रही दुनिया के लिए खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा की जरूरतों के समाधान का मार्ग तलाशने का है।' शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के लिए समरकंद पहुंचे मोदी ने पुतिन के साथ बैठक के दौरान लोकतंत्र, संवाद और कूटनीति का महद्भव बताया। यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच आमने-सामने की पहली मुलाकात थी। पुतिन ने स्वीकारा कि वह यूक्रेन संघर्ष पर भारत की चिंताओं से अवगत हैं और रूस इसे जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। यूक्रेन ने वार्ता प्रक्रिया में शामिल होने से इनकार कर दिया है, और युद्ध के मैदान पर अपने उद्देश्यों को प्राप्त करना चाहता है। 'हम आपको वहां होने वाली हर चीज से अवगत कराएंगे।' इस मुलाकात की वैश्विक खासकर अमेरिकी मीडिया में भरपूर प्रशंसा हुई है। 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने शीर्षक दिया, 'मोदी ने यूक्रेन में युद्ध के लिए पुतिन को फटकार लगाई।' समाचार पत्र ने लिखा,'इस दुर्लभ निंदा के कारण 69 वर्षीय रूसी नेता सभी पक्षों की ओर से अत्यधिक दबाव में आ गए।' 'द वाशिंगटन पोस्ट' और 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने भी अपने वेब पेज पर इसे मुख्य खबर बनाया। मोदी की समरकंद यात्रा को बेहद सफल कहा जा सकता है। बैठक में एससीओ सदस्य देशों ने भारत की चिंताओं के मद्देनजर अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिबंधित आतंकवादियों, अलगाववादियों और चरमपंथी संगठनों की एकीकृत सूची तैयार करने पर प्रतिबद्धता जताई है। बैठक के बाद जारी संयुक्त घोषणापत्र इसकी तस्दीक करता है। पुतिन भी रूसपर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण यूरोपीय संघ के बंदरगाहों पर जमा 300,000 टन उर्वरक सदस्य देशों को मुफ्त में उपलब्ध कराने पर राजी हो गए। भारत के वाराणसी शहर को एससीओ की पहली 'सांस्कृतिक एवं पर्यटन राजधानी' घोषित किया गया जिसे सभी सदस्य देशों का भरपूर समर्थन मिला। भारत 2023 में संगठन के अध्यक्ष के रूप में एससीओ के अगले शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह भारत के बढ़ते प्रभाव का द्योतक है।

चिंतन-मनन

अनमोल हैं कड़वे बोल

किसी ने कहा है कि अंधेरे में माचिस तलाशता हुआ हाथ, अंधेरे में होते हुए भी अंधेरे में नहीं होता, इस तलाश को अपने भीतर निरंतर जीवित रखना कोई साधारण बात नहीं है, परंतु जो लोग सफर की हदों को पहचानते हैं, जिन्हें हर मंजिल के बाद किसी नए सफर पर चल पड़ने की लत है, उनके भीतर से यह खोज कभी खत्म नहीं होती। अचूक शैली में, अपने क्रांतिकारी विचारों से लोगों को अपनी ही खोज के तौर तरीके बताने वाले राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी महाराज की वाणी सहज आकर्षण का विषय बन गई है। ऐसे समय में जब अपने हक में हर खुशी बटोर लेने की अदम्य लालसा लोगों को दुनिया के दुरख दर्द से कोसों दूर ले जा रही है। मुनि श्री दुनिया को खुशी और गम की सही परिभाषा बता रहे हैं। यह सिर्फ संयोग नहीं है कि वे जहां भी पहुंचते हैं, सबसे पहले यही कहते हैं कि मैं कथा सुनाने नहीं जीवन की व्यथा सुनाने आया हूं। यह व्यथा घर-घर की कहानी है, जिसे एक बड़े आईने की शक्ल में सामने रखकर मुनि तरूण सागर जी पुकार कर कह उठते हैं कि इसे न तो ठुकराओ, न ही झुठलाने की कोशिश करो, बेहतर यही है कि इस व्यथा के बीच से ही जीवन का रस हासिल कर लो। मुनि तरुण सागर जी के बोल, सुनने वाले को भावित-प्रभावित तो करते ही हैं, उसे झकझोर कर भी रख देते हैं। उन्हें सुनते समय या पढ़ते समय आप अनुभव करते हैं कि आपकी अपनी जिंदगी एक धारावाहिक के रूप में आपकी आंखों के सामने तैरने लगी है। उनकी वाणी अतीत की जड़ता से उबारने और वर्तमान की लापरवाही के प्रति सचेत करने का काम करती है। वह आपके जख्मों को सहलाने के बदले यदि अधिक कुरदने की मुद्रा में दिख भी रही हो तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि मुनि श्री आपको स्थाई रूप से तंदुरूस्त बनाने का उद्यम कर रहे हैं। सूत्र शैली में संदेश देने वाले मुनि तरूण सागर जी को अपनी वाणी को कड़वे प्रवचन कहने पर इत्मीनान यदि है तो सिर्फ इसलिए कि वे जानते हैं, इंसान की प्रवृत्ति और कभी न बदलने की उसकी जिद इतनी कठिन और जटिल है कि सीधी उंगली से घी निकालना मुमकिन नहीं है। आज साहित्य, संस्कृति और समाज के हर मंच पर महिला जागृति या नारी विमर्श का दौर ही चल पड़ा है। मुनि तरूण सागर जी साफ शब्दों में कहते हैं कि समाज पुरुष प्रधान है, परंतु याद रखना चाहिए कि महिलाओं की भूमिका पुरुषों से भी बड़ी है। वे सत्य से मुंह मोड़ने या पीछे हटने वाले समाज को न सिर्फ जगाते हैं बल्कि अपने कड़वे बोल से कोसने में भी कोई गुरेज नहीं करते। सच के पाखंडी चेहरे को पहचानने वाली उनकी गहरी दृष्टि सजग करती हैं कि वास्तव में जो सत्य है उसे किसी बनावट की जरूरत नहीं है। संघर्ष में सत्य परेशान हो सकता है किन्तु पराजित नहीं होता।

छोटी-छोटी बातों से जीवन का बड़ा अर्थ निकाल लेने वाले मुनि तरूणसागर जी के बोल सचमुच अनमोल हैं। एक और उदाहरण देखिए वे कहते हैं कि प्रभु को सात बातें अच्छी नहीं लगती घमंड से भरी आंखें, झूठ से भरी जुबान, बुराई की तरफ बढ़ते कदम, झूठी गवाही, बुरी सोच, भाई को भाई से लड़ाना और खून से सने हाथ। जरा सोचिए इन बातों में आज के मनुष्य और समाज का कौन सा ऐसा पक्ष है जो शेष होगा। इंसान का दोहरापन और दुनिया का बहुरूपियापन हो या हिंसा और आतंक की कीमत पर सब कुछ हासिल कर लेने की अंधी कोशिश, मुनि तरूण सागर जी इन हालातों को बेपरदा कर देते हैं। इसके विपरीत वे जीने की कला की सारी सूत्र भी सहज रूप से बता देते हैं। प्रदूषण के सारे खतरों में विचारों के प्रदूषण को सबसे बड़ा कहने वाले मुनि श्री इस समस्या को विचारों की शक्ति से ही दूर करने के रास्ते भी सुझाते हैं, आवश्यकता बस इतनी है कि सुने हुए को जीवन में उतारने की शक्ति श्रोता स्वयं अपने भीतर पैदा करें।

जो टूटा न हो, उसे जोड़ने का क्या औचित्य?

सियाराम पांडेय 'शांत'

भारत ने महात्मा गांधी की दांडी यात्रा से लेकर आज तक अनेक राजनीतिक यात्राएं देखी हैं। दांडी यात्रा को अपवाद मानें तो शेष राजनीतिक यात्राएं देशहित के कितनी करीब रहीं,उससे देश का कितना भला हुआ,यह किसी से छिपा नहीं है। चाहे 1982 की एनटी रामाराव की चैतन्य रथम यात्रा रही हो या फिर लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ से शुरू हुई राम रथयात्रा। वाई.एस.राजशेखर रेड्डी की 2004 की यात्रा रही हो या फिर उनके पुत्र जगह मोहन रेड्डी की 2017 की राजनीतिक यात्रा और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की यात्रा,सबके अपने राजनीतिक अभीष्ट रहे हैं। इसका लाभ उक्त राजनीतिक दलों को तो मिला लेकिन जनता को तो छलावे के सिवा कुछ भी नहीं मिला। ऐसे में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कोई बड़ा निर्णायक चमत्कार करेगी, इसकी परिकल्पना तो नहीं की जा सकती।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी इस यात्रा में भारत को जोड़ेंगे और कांग्रेस को जोड़ेंगे।अरसे से एक बात कही जा रही है कि कश्मीर से कन्या कुमारी तक भारत एक है। यह वह मणिमाला है जो आगे धागे से जुड़ी हुई है। सवाल यह है कि जब भारत एक है तो उसके टूटने का सवाल ही पैदा नहीं होता। और जो टूटा न हो,उसे जोड़ने का क्या औचित्य? अपने भी श्रम की बर्बादी और देश को भी परेशानी में डालने का उद्योग। इससे तो अच्छा यह होता कि राहुल गांधी देश को मजबूत करने की कोशिश करते।

विचारणीय है कि क्या भारत टूट गया है। बिखर गया है जो उसे जोड़ने की बात हो रही है या कि वह गुलाम हो गया है जो दूसरा स्वतंत्रता संग्राम लड़ने की बात की जा रही है। पी चिदंबरम का दावा है कि स्वतंत्रता संग्राम की यह दूसरी जंग तब तक चलेगी जब तक विभाजनकारी ताकतें परास्त न कर दी जाएं। क्या कांग्रेस को दृढ़ विश्वास है कि वह 150 दिन की समय सीमा में तथाकथित विभाजनकारी ताकतों को परास्त कर देगी। जो कांग्रेस खुद को नहीं जोड़ पा रही है,वह देश जोड़ने चली है।

सबको पता है कि जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना की आजाद भारत का पहला प्रधानमंत्री बनने की जिद में भारत का विभाजन हुआ।मतलब जो परिवार देश के विभाजन का खुद जिम्मेदार है,वह किसी और दल को जिम्मेदार ठहरा कर अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त हो लेना चाहता है। कांग्रेस अगर आज राजनीतिक पराभव के शीर्ष पर है,उसके अपने लोग उसे छोड़ रहे हैं,तो यह उसकी अपनी रीति-नीति की परिणीति है। कांग्रेस देश जोड़ने की बात कर रही है लेकिन वास्तविकता से मुंह मोड़कर। जोड़ तो वहीं लगता है,जहां टूटन हो। कांग्रेस को अपनी ऊर्जा भारत,पाकिस्तान और बांग्लादेश को एक करने पर खर्च करनी चाहिए। चीन द्वारा हड़पी गई भारतीय जमीन को छुड़ाने के लिए होनी चाहिए। राहुल,सोनिया और उनके समर्थकों को इन देशों में पदयात्राएं करनी चाहिए लेकिन उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरोध के फेर में गलत मार्ग चुन लिया है।

> यात्रा और जीवन एक दूसरे के पर्याय हैं। उन्हें अलग-अलग देखना किसी नासमझी से कम नहीं है। यात्रा से अलग जीवन नीरस हो जाता है। यात्रा से व्यक्ति खोता कम, पाता ज्यादा है। यात्रा से मिलने वाले अनुभव किसी पूंजी से कम नहीं है। इसलिए भारतीय समाज हमेशा यात्रा के लिए लालायित रहता है। राहुल गांधी राजनीतिक यात्रा पर हैं। जाहिर है, इस यात्रा का लाभ उन्हें भी मिलेगा लेकिन जनता सरलता और सहजता पसंद करती है। वह दिखावों का नवाचार नहीं चाहती, इस बात को कांग्रेस जितनी जल्दी गांठ बांध लें,उतना ही अच्छा होगा। सत्ता में कौन है,कौन नहीं,यह सेवा के लिए बहुत जरूरी नहीं है। जो जहां है, जितने लोगों के संपर्क में है, वहां स्नेह-सौजन्य को बनाए रखे। यही विकास यात्रा है।

कांग्रेस दरअसल इस यात्रा में अपने लिए राजनीतिक अवसर तलाश रही है। कभी वह तर्क देती है कि संघ और भाजपा तिरंगे का सम्मान नहीं करते।अपने कार्यालयों पर तिरंगा नहीं फहराते और जब भाजपा और संघ ही नहीं,हर घर पर तिरंगा लहराने लगा तो कांग्रेसियों के स्वर बदल गए।अब वे भाजपा और संघ पर तिरंगे पर एकाधिकार का आरोप लगाने लगे। कांग्रेस के नेता बात तो संविधान की करते हैं लेकिन उन्हें अपने ही देश में दो देश दिखते हैं। देश को टुकड़ों में देखने की आदी हो चुकी आंखें उसकी मजबूती देखेंगी भी तो किस तरह। यह देश भौगोलिक,सांस्कृतिक,भाषाई और क्षेत्रीयता जैसी विविधताओं से युक्त है। ऐसा नहीं कि कांग्रेस को इस देश को जोड़ने और उसे मजबूत करने का अवसर नहीं मिला। खूब मिला। उसे 6 दशक तक खुलकर खेलने का मौका मिला लेकिन उसने कुछ खास लोगों का ही भला किया। सबका साथ तो लिया लेकिन कांग्रेस का हाथ सबके साथ कभी रहा नहीं वर्ना आज इस तरह की यात्राएं निकालने की जरूरत ही नहीं पड़ती। कांग्रेस देश को जोड़ना चाहती है। देश जुड़ जाए तो क्या कांग्रेस उससे अलग है या कांग्रेस खुद को देश से जुड़ा नहीं मानती। यह आज नहीं तो कल उसे सुस्पष्ट करना ही होगा।

समुद्र बनने के लिए बूंद को आत्मोत्सर्ग करना पड़ता है।अपने अस्तित्व,अपनी पहचान और अहमन्यता को खोना पड़ता है। बूंद अपना अलग वजूद रखे और अपार जलराशि का हिस्सा भी बने,यह सम्भव नहीं है। जुड़ना दिमाग का नहीं, दिल का विषय है। और विडंबना इस बात की है कि कांग्रेस खासकर गांधी-नेहरू परिवार आजादी से आज तक दिमाग का ही खेल खेल रहा है। दिल के किसी भी तल पर वह आज तक देश के साथ जुड़ा ही नहीं।

राहुल गांधी का मानना है कि नफरत में उन्होंने अपने पिता को खोया है,देश को नहीं खोना चाहते। वे नफरत पर प्यार की विजय चाहते हैं। शायद इसलिए जनता के बीच हैं। सच तो यह ही कि वे भाजपा और संघ से नफरत की बिना पर ही यह यात्रा निकाल रहे है। कीचड़ से कीचड़ धोने की परंपरा नहीं है। कांग्रेस को अगर वाकई देश के लिए कुछ करना है तो उसे अपना नजरिया बदलना होगा । विकास के मामले में भाजपा से बड़ी रेखा खींचनी पड़ेगी। जिन किन्हीं राज्यों में उसकी सरकार बची है,जहां उसके सांसद, विधायक, पार्षद हैं,वहां विकास को अंजाम तक पहुंचना होगा। उसे जनता का विश्वास जीतना होगा जिसे वह बहुत पहले खो चुकी है और इसके लिए उसे आत्मबल तलाशना होगा। अपनी नेतृत्व क्षमता में धार देनी होगी। उसे प्रामाणिक बनाना होगा। अपने रणनीतिकार और सलाहकार बदलने होंगे।

यात्रा और जीवन एक दूसरे के पर्याय हैं। उन्हें अलग-अलग देखना किसी नासमझी से कम नहीं है। यात्रा से अलग जीवन नीरस हो जाता है। यात्रा से व्यक्ति खोता कम, पाता ज्यादा है। यात्रा से मिलने वाले अनुभव किसी पूंजी से कम नहीं है। इसलिए भारतीय समाज हमेशा यात्रा के लिए लालायित रहता है। राहुल गांधी राजनीतिक यात्रा पर हैं। जाहिर है, इस यात्रा का लाभ उन्हें भी मिलेगा लेकिन जनता सरलता और सहजता पसंद करती है। वह दिखावों का नवाचार नहीं चाहती, इस बात को कांग्रेस जितनी जल्दी गांठ बांध लें,उतना ही अच्छा होगा। सत्ता में कौन है,कौन नहीं,यह सेवा के लिए बहुत जरूरी नहीं है। जो जहां है, जितने लोगों के संपर्क में है, वहां स्नेह-सौजन्य को बनाए रखे। यही विकास यात्रा है। यही भारतीय संविधान की मूल भावना है। पार्टी का जोड़ना और देश को जोड़ना अलग-अलग बातें हैं। इनमें परस्पर घालमेल ठीक नहीं है। वैसे भी विकास और विनाश एक ही मां की दो संतानें हैं। हमें किसके साथ रहना है। यह विवेक तो हमें ही प्रकट करना होगा।

आंदोलन कोई भी हो, यंत्र कोई भी हो,उद्देश्य साफ होने चाहिए। पदयात्रा करेंगे या कंटेनर से चलेंगे,सुस्पष्ट होना चाहिए। यात्रा का अपना रोमांच होता है लेकिन ज्यों ही हम उसे सुविधा से जोड़ते हैं तो रोमांच घट जाता है। कांग्रेस को यह बात समझनी चाहिए। भ्रष्टाचार ,विभाजन,नफरत और प्यार पर बातें करने भर से काम नहीं चलने वाला,राजनीतिक दलों को यह तो बताना ही होगा कि दरअसल वे किसके साथ है। गुड़ खाकर गुलगुले से परहेज की प्रवृत्ति से तो इस देश का भला होने से रहा। मुंडे-मुंडे मतिर्भिन्ना वाले देश में सबको एक जैसा सोचने को बाध्य नहीं किया जा सकता लेकिन परस्पर सामंजस्य तो बनाया ही जा सकता है। भारत को जोड़े रखने का यही मार्ग भी है।

विचार मंथन

अवसर पहचाने भारत

सिद्धार्थ शंकर

ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका में तनाव के बीच पहली बार अमेरिकी युद्धपोत ने ड्रैगन को चेतावनी दी है। नैन्सी पेलोसी के दौरे के बाद चीन ने अप्रत्याशित रूप से ताइवान के करीब युद्धाभ्यास किया था। अब अमेरिका ने भी अपने दो मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस एंटिएटम और यूएसएस चांसलर्सविले ताइवान के समंदर में भेज दिए। अमेरिकी सेना की तरफ से कहा गया है कि यह एक रूटीन ट्रांजिट है। अमेरिका के बयान में कहा गया, दोनों ही युद्धपोत 28 अगस्त से ताइवान के समंदर में रूटीन ट्रांजिट कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय नियमों का किसी भी तरह उल्लंघन नहीं किया जा रहा है। वहीं चीन ने भी इन युद्धपोतों को ट्रैक किया और फिर कहा, हम किसी भी तरह की कार्रवाई के लिए तैयार हैं। पीएलए के ईस्टर्न थिएटर कमांड ने कहा, अमेरिकी युद्धपोतों के गुजरने पर नजदीक से नजर रखी जा रही है। हर गतिविधि हमारे नियंत्रण में है। पेलोसी के दौरे के बाद अमेरिका के पांच और सांसद ताइवान पहुंचे थे। इस दौरान भी चीन ने समंदर में अपनी सेना को तैनात कर दिया था। वहीं अमेरिका के इन युद्धपोतों का भेजा जाना यही दिखाता है कि यूएस संवतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र का संदेश देना चाहता है। ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव पूर्वी एशिया में ट्रेड और कमर्शियल ट्रेवल के लिए खतरा बन गया है। ताइवान के आसपास का समुद्री इलाका दुनिया के सबसे बिजी सी रूट्स में शामिल है। इससे पहले से दबाव झेल रही ग्लोबल सप्लाई चेन पर प्रेशर और बढ़ गया है। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग का हब है और अगर वहां तनाव बढ़ता है

तो इससे कंप्यूटर चिप्स की शॉर्टेज और बढ़ सकती है। स्मार्टफोन समेत मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक्स में कंप्यूटर चिप्स का व्यापक इस्तेमाल होता है। पहले ही दुनिया इसकी कमी से जूझ रही है। दुनियाभर के 90 प्रतिशत आधुनिक सेमीकंडक्टर ताइवान ही बनाता है। पिछले साल ताइवान ने 118 अरब डॉलर का सिर्फ सेमीकंडक्टर निर्यात किया है। इन चिप्स का इस्तेमाल स्मार्टफोन, कार, लैपटॉप और दूसरी इलेक्ट्रॉनिक चीजों में होता है। इसके बिना इन चीजों का उत्पादन संभव नहीं है। यही वजह है कि अमेरिका ताइवान की स्थिति को लेकर चिंता में है। दूसरी ओर औद्योगिक विशेषज्ञों को इसमें अवसर दिखाई दे रहा है। चीन में संचालित अमेरिका और यूरोप की कंपनियां इस तनावपूर्ण वातावरण में अपने लिए दूसरे देशों में संभावनाएं तलाश कर रही हैं। भारत को इसका लाभ उठाने के लिए सक्रिय हो जाना चाहिए। यदि मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की कंपनियां निवेश करती हैं तो इससे आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा कदम बढ़ेगा। इस समय जो कुछ दुनिया में चल रहा है उसमें केवल संकट ही नहीं है अवसर भी छिपा हुआ है। चीन से अमेरिका और यूरोप की कंपनियां सिंगापुर, थाइलैंड से लेकर वियतनाम सहित अन्य देशों में अपना प्लांट लगाने को तत्पर हैं। भारत के लिए यही सही अवसर है जब वह इन विदेशी कंपनियों से बात कर यहां निवेश को लेकर प्रोत्साहित करें। इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स और आटोमोबाइल के मामले में चीन भारत से काफी आगे है। ताइवान को लेकर चीन के रुख और ताइवान के साथ अमेरिका के आने को लेकर जो स्थिति बन रही है उससे भविष्य में चीन और ताइवान के अंदर हालात काफी खराब हो सकते हैं। इन दोनों देशों में स्थित कंपनियां अपने लिए बेहतर विकल्प ढूंढ रही हैं। ऐसे में भारत आगे बढ़कर इन कंपनियों के लिए सहारा बने। ऐसा होगा तो भारत वैश्विक औद्योगिक सप्लाई चेन को आक्सीजन देने वाला बड़ा हब बन जाएगा। सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग की दिशा में देश तेजी से कदम बढ़ा रहा है। रूस-यूक्रेन और अब चीन-ताइवान के बीच तनाव से वैश्विक स्तर पर जो वातावरण बन रहा है उसका लाभ भारत को उठाना चाहिए। चीन में स्थित अमेरिका सहित यूरोप की कंपनियां वहां दूरी बना रही हैं। इलेक्ट्रानिक्स, इंजीनियरिंग और आटोमोबाइल के क्षेत्र देश अपनी बढ़त बना सकता है। इस दिशा में सरकार को प्रयास करना चाहिए।

भारत-पाक

मिश्रित संस्कृति नये युग की विशेषता

डॉ. सुरजीत सिंह गांधी

पाकिस्तान बाढ़ से जूझ रहा है। सिंध और बलूचिस्तान में बाढ़ से हालात अत्यधिक खराब हैं। फसल तबाह हो गई हैं। जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। लोग आश्रय और भोजन के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

देश की लगभग 15 प्रतिशत आबादी बाढ़ से प्रभावित है। बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1200 तक पहुंच गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने इसे भयावह स्थिति बताते हुए देश में राष्ट्रीय इमरजेंसी लागू कर दी है।

बाढ़ के खराब हालातों पर पाकिस्तानी अखबार डॉन में छपी खबर ने भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व का ध्यान खींचा है। खबर यह थी कि 'बलूचिस्तान के कच्छी जिले के जलाल खान नामक गांव में ऊंचे टीले पर स्थित बाबा माधोदास मंदिर बाढ़ से प्रभावित लोगों और उनके पशुओं को शरण दे रहा है। खाना, पानी और चिकित्सा की सुविधा भी उपलब्ध करवा रहा है। लाउडस्पीकर से निरंतर घोषणा की जा रही है कि बाढ़ पीड़ित मंदिर में शरण ले सकते हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए मंदिर तो खुदा की पनाह बन गया है।' दो प्रमुख कारणों से यह खबर महत्त्वपूर्ण बन गई है। पहला, पाकिस्तान ऐसा देश है, जहां अल्पसंख्यक अपने को सुरक्षित महसूस नहीं करते। अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं का जबरन अपहरण, बलात्कार, धर्म परिवर्तन और जबरन विवाह की खबरें चौंकाती नहीं हैं। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर मामूली आरोपों पर गंभीर सजाएं दी जाती हैं। धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति लगभग न्यूनतम है। अल्पसंख्यकों पर ईशनिंदा कानूनों के तहत अन्यायपूर्ण मुकदमा चलाया जाता है, और मृत्युदंड जैसी सजा भी दे दी जाती है। भारत सरकार, संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंच पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ किए जाने वाले भेदभाव, मानवाधिकारों के उल्लंघन और आतंकवाद को बढ़ावा जैसी गतिविधियों पर सवाल उठाता रहा है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि घोर विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पाक के हिंदूओं ने सद्भावना की नई राह बनाते हुए आपदा के इस समय में इंसानियत की मिशाल कायम की है। साम्प्रदायिकता और संकीर्णता से ऊपर उठ कर हिंदुओं ने सेवा भाव का ऐसा जज्बा पेश किया है, जिसकी पूरे विश्व में सराहना हो रही है।

यह खबर इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि पाकिस्तान ऑल हिंदू राइट्स मूवमेंट का सर्वेक्षण बताता है कि आजादी के दौरान देश में मौजूद कुल 428 मंदिरों में से अब 20 ही बचे हैं। जिस देश में मंदिरों को तोड़ने की घटनाएं आम बात है, वहां आज वही मंदिर आसरा बन रहे हैं। आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान आज शायद ही यह सोचने पर विवश हो कि भाईचारा ही सबसे बड़ा धर्म है। धर्म एक दूसरे से लड़ना नहीं, बल्कि जोड़ना सिखाता है। मानव लड़ाई नहीं, बल्कि प्रेम और मेल-जोल से रहना चाहता है। मंदिर में शरण लेने वाले लोग इस बात को अवश्य स्वीकार कर रहे हैं कि मुश्किल घड़ी में भोजन और आश्रय प्रदान करने के लिए वे स्थानीय अल्पसंख्यक समुदाय के ऋणी हैं। महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या हम उम्मीद कर सकते हैं कि पाकिस्तान में लोगों का अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण बदलेगा। हिंदुओं को जाति और पंथ की बजाय मानवता के चश्मे से देखा जाएगा? धर्म और संस्कृति बहती नदी की तरह होते हैं, जिसमें प्रवाह होता है। अन्य प्रवाह जब इसमें मिलते हैं, तो वे खुद को भी बदलते हैं, नदी को भी बदलते हैं। पाकिस्तान, भारत का ही टूटा हुआ हिस्सा है, जिसको केवल धर्म की दीवार से अलग करके नहीं देखा जा सकता। जैविक एवं जेनेटिक्स विज्ञान प्रमाणित कर चुका है कि भारतीय उपमहाद्वीप के लोग मिश्रित हैं। यदि पाकिस्तान भी इस तथ्य को स्वीकारता और अपने व्यवहार में मानवीयता का रंग भरता तो शायद वह भी आज प्रगतिशील देश होता।

धर्म के नाम पर होने वाली राजनीति लोगों के दिलों में दूरिया पैदा करती है। राजनीति में सांप्रादायिकता के आ जाने से विचारधारा संकीर्णता में जकड़ने लगती है जिससे कट्टरता और हिंसा को ही बढ़ावा मिलता है। विचारों में, राजनीति में, संस्कृति में संकीर्णता नकारात्मकता लोग ही बढ़ा रहे हैं। वे अपना वर्चस्व कायम करने रखने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यदि पाकिस्तान अपनी पुरानी सोच से बाहर नहीं निकला तो भावी पीढ़ियों को इसकी कीमत चुकानी होगी। जरूरत है कि मानवीयता द्वारा न केवल विभिन्न संस्कृतियों को समृद्ध किया जाना चाहिए, बल्कि दुनिया के सभी धर्मो के बीच सामंजस्य भी स्थापित किया जाना चाहिए जिससे सभ्यताओं के भावी संघर्ष को टाला जा सके। कोरोना काल के बाद पूरी दुनिया तेजी से बदल रही है। पाकिस्तान विश्व के साथ कदम दर कदम मिला कर चलना चाहता है, तो उसे भी धर्म की संकीर्णताओं को छोड़कर युवा पीढ़ी को शिक्षा और स्वास्थ्य का मंत्र देने के साथ-साथ अल्पसंख्यकों को भी सम्मान से जीने का अधिकार देना होगा। पाकिस्तान को अपने राष्ट्रीय गान का अक्षरश- पालन कर मिश्रित संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए क्योंकि मिश्रित संस्कृति ही नये युग की नई विशेषता है।

शराब की दुकान के ठेकेदार कर रहे अपनी मनमानी विरोध करने पर देते हैं धमकी

मरुधर / विशेष /पत्ना मोहंद्रा

ग्राम मोहंद्रा में शराब की दुकान मैं अधिक रेट पर शराब बेची जा रही ग्रामीण द्वारा विरोध करने पर ठेकेदार तथा अन्य कर्मचारियों ने उन्हें धमकी दी कि आप चुप रहें अन्यथा हमारा तो कुछ नहीं होगा पर आपका हम बहुत कुछ कर लेंगे शिकायत एफआईआर हुई परंतु इसकी कोई जन सुनवाई नहीं हुई शिकायतकर्ता द्वारा 181 सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की गई दिनांक 01/09/2022 ग्राम में शराब की दुकान में शराब रेट सूची होने के उपरांत रीट पर नहीं बेची जा रही और आज तक पुलिस की कोई कार्रवाई नहीं की गई जिससे आवेदक को समस्या आ रही शराब ग्रामीणों द्वारा विरोध करने पर यह बताया गया कि यह सूची पुरानी है और वह रेट जो हम तय करेंगे वही मार्केट में चलेगा और उसी रेट पर हम बेचें गे आपको जो कुछ करना है आप कर लीजिए और ग्रामीण को धमकी दी गई कि हम पांच से ?10000 खर्च करेंगे तो हमारा केस रफा-दफा कर दिया जाएगा पर इसके बाद अपनी खैर रखिए कि हम आपका बहुत कुछ कर सकते हैं ठेकेदार द्वारा तथा कर्मचारियों द्वारा ग्रामीण को धमकी दी गई इस पर पुलिस की कोई सुनवाई नहीं हो रही इस समस्या को जिला में बैठे बड़े अधिकारी कलेक्टर महोदय जी से निवेदन है कि वह इस पर विशेष ध्यान देवै तथा इन पर कार्यवाही की जाए क्योंकि पुलिस ने इसमें चुप्पी साध ली है

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम एसडीएम को दिया ज्ञापन

बांसवाड़ा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर बीजेपी के कार्यकर्ताओं द्वारा सरकार के घोषणा पत्र में किए हुए वादों को पूरा नहीं किया। क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का जनता के साथ धोखा कर गुमराह करने का काम किया गया है। जिस प्रकार प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बने लगभग 3 साल से अधिक समय हो चुका है। इस कार्यकाल में क्षेत्र में राज्य सरकार की विफल नीतियों के कारण सड़क बिजली पानी लंपी वायरस से गौ माता मृत्यु चौपट कानून व्यवस्था क्षेत्र से जुड़ी हुई विभिन्न जन हित समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम एसडीएम कार्यालय पर जाकर ज्ञापन सौंपा। धरना प्रर्दशन कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष गोविंद सिंह राव जनजाति राष्ट्रीय मोर्चा के कार्यकारी सदस्य हकरू मईडा जिला महामंत्री मुकेश रावत जिला उपाध्यक्ष प्रताप जी पटेल पूर्व संसदीय सचिव श्री भीमा भाई डामोर कुशलगढ़ पंचायत समिति प्रधान श्री कानहिग जी रावत जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री दीपसिंह जी वसुनिया डूंगरा मंडल अध्यक्ष सूर्य सिंह लबाना कुशलगढ़ ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रताप लबाना खेड़ा धरती मंडल अध्यक्ष राकेश जी नगर मंडल अध्यक्ष जैनेन्द्र जी सेठिया कुशलगढ़ नगर पालिका चेयरमैन बबलू भाई मईडा भाजपा समर्थित जिला परिषद पंचायत समिति सदस्य कुशलगढ़ नगर पालिका के पार्षद सरपंच शक्ति केंद्र प्रभारी संयोजक एवं बूथ अध्यक्ष तथा समस्त मोर्चों के अध्यक्ष कार्यक्रम के दौरान निम्न लोगों ने कांग्रेस छोड़ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की कोदर महाराज मुकेश वड़खीयां दलहिंग तड़वी एवं कई कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ भारतीय जनता पार्टी की सदस्य ग्रहण की।

राजकीय महाविद्यालय को क्रमोन्नत करने की मांग

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां-राजकीय महाविद्यालय कामां को स्नातकोत्तर महाविद्यालय में क्रमोन्नत करने के की मांग को लेकर वरिष्ठ नागरिक फोरम के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम दिनेश शर्मा को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि जो विद्यार्थी बीए कर चुके हैं अथवा जो बीए में अध्ययनरत है उनके लिए उच्च शिक्षा एमए. करने के लिए कामां से बाहर जाना पड़ता है यह ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान, साधनहीन, छात्र छात्राओं को कठिन या चुनौतीपूर्ण है। छात्र छात्राओं को सरल एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए यहां संचालित हो रहे राजकीय महाविद्यालय को स्नातक से स्नातकोत्तर में क्रमोन्नत करने की अति आवश्यकता है ज्ञापन देने वालों में वरिष्ठ नागरिक फोरम के अध्यक्ष मुरारी लाल सक्सेना, धर्मेंद्र शर्मा ,कार्तिकी शर्मा,वरिष्ठ साहित्यकार सर्वोत्तम लघु त्रिवेदी, राहुल तिवारी उपस्थित थे।

सैनी समाज ने जुलूस निकालकर सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां-राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड एवं समस्त सैनी समाज द्वारा जुलूस निकालकर कामां उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने नारेबाजी प्रदर्शन वसांकेतिक धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम दिनेश शर्मा को ज्ञापन सौंपा 7

सैनी समाज कल्याण परिषद के जिलाध्यक्ष रूपबसंत सैनी ने बताया कि सैनी समाज के सिरमौर सीपी सैनी और अन्य 84 लोगों पर लगे मुकदमों को वापस लेने और उन लोगों की रिहाई के लिए किया गया सैनी ने बताया कि जिस तरह से सैनी समाज के सोते हुए लोगों पर सरकार द्वारा लाठी चार्ज कराया गया है निंदनीय घटना है ज्ञापन देने वालों में फुले ब्रिग्रेड के जिला प्रभारी जिला प्रभारी खुशीराम सैनी ,फुले ब्रिगेड के तहसील अध्यक्ष हेमेन्द्र हरसोलिया, तहसील प्रभारी सुनील कुमार सैनी,पूर्व अध्यक्ष हेमंत सैनी, पप्पी सैनी, महेश सैनी इन्द्रोली सरपंच अशोक सैनी, आनंद स्वरूप सैनी, एडवोकेट सर्वेश सैनी, प्रदेश प्रवक्ता हेमलता सैनी ,गीता सैनी,कृष्णा गहलोत,कन्हैया सैनी ,सोनू सैनी ,दुर्गा सैनी पार्षद प्रतिनिधि,दया चंद शास्त्री सहित कामां शहर एवं उसके अंतर्गत आने वाले गांवो के सैकड़ों समाज बंधु,मातृशक्ति एवं समाज के समस्त गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे

महिला सलाह एवम सुरक्षा केंद्र के द्वारा डीएसजी मीटिंग का आयोजन किया गया

मरुधर विशेष युवराज शर्मा

जिसमे विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मीना अवस्थी जी ने महिलाओं को कानूनों की जानकारी दी मुफ्त कानूनी सहायता की जानकारी दी आचार्य मुकेश मीणा जी ने महिलाओं के संपत्ति पर अधिकार संबंधी जानकारी से महिलाओं को अवगत करवाया इसमें महिला सलाह सुरक्षा की मुख्य सवंधक मनीषा भान गंजू जी ने भी अपने विचार रखे इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि ने बालिका विद्यालय के प्रतिनिधि ,महिला सुरक्षा काउंसलर फुलवती जी , सीमा जी, महिला कॉन्स्टेबल अनिता जी , अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से गौरी देवी राजकीय महिला महाविद्यालय की अध्यक्ष जया सैनी उपाध्यक्ष भावना नरुका ,एवं साथ कि छात्राएं इशिका ,रश्मि ऋषिका एवं अन्य छात्राएं उपस्थित रही। कार्यकर्म के अंत मे कार्यक्रम संयोजक मनीषा भान गंजु जी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

पाकिस्तान के हैदराबाद में आई बाढ़ से प्रभावितों के लिए बने अस्थायी शिविर।

पाकिस्तान में आई बाढ़ से फैल सकती हैं जल जनित बीमारियां : गेब्रेयेसस

इस्लामाबाद। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विनाशकारी बाढ़ के मद्देनजर पाकिस्तान में जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका व्यक्त की है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधनोम गेब्रेयेसस ने अपने एक बयान में कहा है कि पाकिस्तान के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा और इससे हैजा और अन्य बीमारियां हो सकती हैं। डब्ल्यूएचओ ने पाकिस्तान के बाढ़ प्रभावित इलाकों और खासकर सिंध प्रांत के लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। टेड्रोस ने कहा कि ठहरा हुआ पानी मच्छरों के पनपने का कारण बन सकता है, जिससे मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियां फैल सकती हैं। पाकिस्तान में बाढ़ के चलते देश के लोग आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। बीते बुधवार को बाढ़ के संकट के बीच संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कोऑर्डिनेटर जूलियन हार्निस ने बुधवार को कहा था कि दक्षिण एशियाई देश को मिली 150 मिलियन डॉलर की विदेशी सहायता में से केवल 38.35 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि को सहायता में बदला गया है। बाढ़ से त्रस्त इस देश में मानवीय राहत की मांग बहुत अधिक है, लेकिन भ्रष्टाचार के कारण उचित धन जमीन तक नहीं पहुंच पा रहा है। इस बीच, जूलियन हार्निस ने कहा कि भारी धन मिलने के बावजूद पाकिस्तान के कई प्रांतों में स्वास्थ्य की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान में 160 मिलियन डॉलर की फ्लैश अपील पर्याप्त नहीं होगी। वह सरकार और अन्य भागीदारों के साथ चर्चा कर रहे हैं, इसके बाद फ्लैश अपील में संशोधन करेंगे। हार्निस ने कहा कि पाकिस्तान सरकार और संयुक्त राष्ट्र द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई फ्लैश अपील वर्तमान में छह महीने के लिए है, और यह सिर्फ छह मिलियन लोगों के लिए पर्याप्त है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री समेत अन्य के खिलाफ 50 मामले जवाबदेही अदालतों ने एनएबी को भेजे

कीव (एजेंसी)।

पाकिस्तान की जवाबदेही अदालतों ने भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को बड़ी राहत देते हुए शहबाज समेत अन्य संदिग्धों के खिलाफ भ्रष्टाचार के 50 बड़े मामले राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो को लौटा दिए हैं। शहबाज, उनके बेटे और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हमजा शहबाज, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ और पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी के खिलाफ भी जवाबदेही अदालतों ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को मामले वापस भेज दिए हैं।

'जियो न्यूज' ने बताया कि एनएबी कानूनों में संशोधन के अनुरूप राहत प्रदान की गई है। शहबाज और उनके बेटे हमजा के खिलाफ रमजान चीनी मिल का संदर्भ भी वापस भेजे गए मामलों में से है। फरवरी 2019 में, एनएबी ने शहबाज और उनके बेटे हमजा के खिलाफ भ्रष्टाचार का यह मामला दर्ज किया था। भ्रष्टाचार रोधी शीर्ष निकाय ने आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, शहबाज ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया और अपने बेटों के स्वामित्व वाली रमजान चीनी मिल के संबंध में अनियमितताएं कीं। एनएबी ने आरोप लगाया कि दोनों संदिग्धों ने ''धोखाधड़ी और बेईमानी से'' राष्ट्रीय खजाने को 21.3 करोड़ पाकिस्तानी रुपये

(लगभग 948,565 डॉलर) का नुकसान पहुंचाया। इसी तरह, एक जवाबदेही अदालत ने नेशनल असेंबली के स्पीकर के खिलाफ छह रेंटल पावर प्लांट (आरपीपी) के मामले एनएबी को वापस भेज दिए। ब्यूरो ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की सरकार के दौरान जल और बिजली मंत्री रहते हुए अशरफ ने इन परियोजनाओं के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया था। पीपीपी सांसद यूसुफ रजा गिलानी के खिलाफ यूनिवर्सल सर्विसेज फंड (यूएसएफ) का मामला भी वापस कर दिया गया। मामले में उन पर अवैध प्रचार अभियान में पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था। एनएबी नियमों में संशोधन के बाद मोदरबा घोटाले और कंपनी धोखाधड़ी के मामलों को भी जवाबदेही अदालतों से वापस ले लिया गया है। संघीय सरकार के एक सूत्र ने शनिवार को खुलासा किया कि लगभग सभी ऐसे मामले प्रधानमंत्री शहबाज के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से जुड़े लोगों से संबंधित हैं। सूत्र ने कहा कि यह संभावना नहीं है कि नए एनएबी प्रमुख भ्रष्टाचार के इन मामलों को भ्रष्टाचार रोधी संस्था जैसे अन्य मंचों पर भेजेंगे। नए एनएबी प्रमुख को शहबाज और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज द्वारा नियुक्त किया गया था। सूत्र ने कहा, ''ऐसा प्रतीत होता है कि भ्रष्टाचार के ये संदर्भ बंद किए जा रहे हैं, क्योंकि एनएबी उन्हें कार्रवाई के लिए संबंधित कानूनी मंचों पर भेजने में कोई जल्दी नहीं दिखा रहा है। संपर्क करने पर एनएबी के प्रवक्ता नदीम खान ने कहा, ''ऐसे सभी मामलों का फैसला कानून के मुताबिक किया जाएगा।'' एनएबी, पंजाब के पूर्व निदेशक फारूक हमीद ने इससे पहले 'डॉन' अखबार से कहा कि सरकार के लिए बेहतर होता कि ब्यूरो को बदनाम करने के लिए इस तरह के कानून को पेश करने के बजाय इसे बंद कर दिया जाता। उन्होंने कहा, ''भ्रष्ट कुलीन वर्ग की जवाबदेही तय करना अब असंभव है। सरकार को एनएबी के लिए बजट में अरबों रुपये क्यों आवंटित करने चाहिए, जब उसने इस बात को सुनिश्चित करने के लिये कानून में बदलाव लाए हैं कि भ्रष्टाचारियों द्वारा लूटे गए अरबों रुपये वसूल नहीं किये जा सकें।'' अगस्त में, नेशनल असेंबली ने राष्ट्रीय जवाबदेही (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2022 पारित किया, जिसमें निजी लेन-देन को एनएबी के दायरे से बाहर करने का प्रयास किया गया। संशोधित विधेयक के तहत, एनएबी का आर्थिक क्षेत्राधिकार केवल बड़े घोटालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तय किया गया।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की राजकीय अंत्येष्टि से पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रद्धांजलि दी

लंदन (एजेंसी)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लंदन के वेस्टमिंस्टर हॉल में ब्रिटेन की दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को भारत सरकार और भारत के लोगों की ओर से श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति भवन ने मुर्मू की एक वीडियो क्लिप के साथ ट्वीट किया, 'राष्ट्रपति ने दिवंगत महारानी को अपनी ओर से और भारत के लोगों की ओर से श्रद्धांजलि दी।' यह हॉल संसद भवन परिसर के अंदर स्थित है। राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को वेस्टमिंस्टर एबे में एलिजाबेथ द्वितीय की राजकीय अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए लंदन में हैं। उन्होंने यहां रविवार को भारत सरकार की ओर से एक शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। लंदन के लैंकेस्टर हाउस में राष्ट्रपति मुर्मू के साथ कार्यवाहक उच्चायुक्त सुजीत घोष भी मौजूद थे। यहां पहुंच रहे विश्व के नेता महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए एक पुस्तिका पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। एलिजाबेथ द्वितीय का 96 वर्ष की आयु में आठ सितंबर को स्कॉटलैंड में निधन हो गया था। मुर्मू ने रविवार को वेस्टमिंस्टर हॉल में दिवंगत महारानी को श्रद्धांजलि दी, जहां एलिजाबेथ द्वितीय का पार्थिव शरीर रखा गया है। महारानी की सोमवार को राजकीय अंत्येष्टि की जाएगी। भारतीय राष्ट्राध्यक्ष शनिवार शाम लंदन पहुंचीं। महारानी की अंत्येष्टि में दुनियाभर के शाही परिवार के सदस्यों समेत विश्व के करीब 500 नेता शामिल होंगे। अंतिम संस्कार की रस्म वेस्टमिंस्टर एबे में की जाएगी, जहां करीब 2,000 लोगों के उपस्थित रहने की संभावना है। शोक कार्यक्रम स्थानीय समयानुसार सुबह पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगा और एक घंटे बाद दो मिनट का मौन रखे जाने के साथ संपन्न हो जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मू को रविवार शाम महाराजा चार्ल्स द्वितीय और क्वीन कॉन्सर्ट कैमिला द्वारा बकिंघम पैलेस में विश्व के नेताओं के लिए आयोजित एक स्वागत कार्यक्रम में भी आमंत्रित किया गया है। इस 'आधिकारिक राजकीय कार्यक्रम' में ब्रिटेन आ रहे सभी राष्ट्राध्यक्षों और आधिकारिक विदेशी अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। ब्रिटेन के शाही परिवार के लिए 2009 से 2012 तक सेवा देने वाले जाकी कूपर का मानना है कि महारानी के भारत के साथ स्नेहपूर्ण संबंध थे और उन्होंने साम्राज्य से राष्ट्रमंडल तक के सफर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र भाग लेने न्यूयॉर्क पहुंचे विदेशमंत्री जयशंकर

न्यूयार्क (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र के लिए पहुंच गए हैं। इस यात्रा पर वह द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय बैठकों सहित 50 से अधिक आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने ट्वीट किया, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में भाग लेने के लिए यहां आए हमारे विदेश मंत्री जयशंकर का स्वागत करके खुशी हुई। वह इस सप्ताह के दौरान कई द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय बैठकों में भाग लेने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस सप्ताह शुरू हो रहे उच्च स्तरीय सत्र में भारत मुख्य रूप से आतंकवाद पर अंकुश, शांति रक्षा, जलवायु परिवर्तन रोकने संबंधी कार्यक्रम और कोविड-19 टीके का समान वितरण जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

वह अल्बानिया, माल्टा, मिस्र और इंडोनेशिया के अपने समकक्षों, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष साबा कोरोसी और कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों के साथ अपनी यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं। वह फ्रांस-भारत-संयुक्त अरब अमीरात त्रिपक्षीय बैठक में भी हिस्सा लेने वाले हैं। जयशंकर की 18 से 28 सितंबर की अमेरिकी यात्रा में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के बाद वाशिंगटन डीसी की भी एक यात्रा शामिल होगी जबकि न्यूयॉर्क में वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात करने वाले हैं। वह जी20 और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें करने वाले हैं।

बाइडेन के बयान के बाद भड़का ड्रैगन, कहा- दुनिया में है केवल एक चीन और ताइवान उसका हिस्सा

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने ताइवान के मुद्दे को लेकर अमेरिका पर करारा हमला बोला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन राष्ट्र को अलग करने वाली गतिविधियों के जवाब में सभी आवश्यक उपाय करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। हम शांतिपूर्ण तरीके से ताइवान को शामिल करने की पूरी कोशिश करेंगे। इसके साथ ही माओ निंग ने साफ किया कि अलगाव के उद्देश्य से किसी भी गतिविधि को चीन बर्दाश्त नहीं करेगा।

चीन ने अमेरिका से ताइवान से संबंधित मुद्दों को 'सावधानीपूर्वक और ठीक से' डील करने का आग्रह भी किया। इसके साथ ही माओ ने ताइवान की स्वतंत्रता के प्रयास के लिए अलगाववादी ताकतों को गलत संकेत नहीं भेजने की बात करते हुए कहा कि अमेरिका को चीन-अमेरिका संबंधों और ताइवान में शांति को गंभीर रूप से नुकसान नहीं पहुंचाने की चेतावनी भी दी। माओ ने कहा कि दुनिया में केवल एक चीन

है, ताइवान चीन का हिस्सा है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार चीन की एकमात्र वैध सरकार है।

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा था कि यदि चीन ताइवान पर हमला करने की कोशिश करता है, तो अमेरिकी बल उसकी रक्षा करेंगे। चीन इस स्वशासित द्वीप पर अपना दावा करता है। समाचार चैनल 'सीबीएस न्यूज' पर प्रसारित '60 मिनट्स' कार्यक्रम के दौरान एक साक्षात्कार में बाइडन से पूछा गया कि ''यदि चीन ताइवान पर हमला करता है, तो क्या अमेरिकी बल, अमेरिकी पुरुष एवं महिलाएं उसकी रक्षा करेंगे।'' इसके जवाब में बाइडन ने ''हां'' कहा।

कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने सैनी समाज की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर अवगत कराया

मरुधर विशेष युवराज शर्मा

अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता व कारागार विभाग मंत्री टीका राम जूली ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर सैनी समाज की विभिन्न मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन से अवगत कराते हुए उनकी जायज मांगों को मानते हुए सहानुभूतिपूर्वक निर्णय करने के लिए आग्रह किया है। मंत्री जूली ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए मांग रखने की स्वतंत्रता है। साथ ही समाज के सभी वर्गो कों संविधान में अपनी मांगों को लेकर षांतिपूर्वक आंदोलन करने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होनें कहा कि सी.एम. गहलोत के नेत्त्व में राज्य सरकार सर्वसमाज के सामाजिक व आर्थिक उत्थान के लिए प्रतिबद्व है। उन्होनें सैनी समाज के लोगो को आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किये गए आंदोलनकारियों को जल्द रिहा करवाने का भी आग्रह किया है।

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि) की कार्यसमिति की बैठक का आयोजन भार्गव आश्रम 1 विकास पथ जग निर्मल सभागार अलवर में सम्पन्न हुई

मरुधर विशेष रुपेश शर्मा

बैठक में अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि0) के देश के अलग अलग राज्यों से आये भार्गव समाज के पदाधिकारी बंधुओ ने भाग लिया। इस मौके पर अलवर भार्गव सभा द्वारा अध्यक्ष श्री विनोद भार्गव, सचिव श्री च्यवन भार्गव, भार्गव महिला सभा अलवर की अध्यक्ष बज्रेश्वरी भार्गव सहित आदि सभी ने आगन्तुको का फूलमालाओं व तिलक लगाकर स्वागत किया। वही अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि) के उप-प्रधान दिनेश भार्गव ने राजस्थानी परम्परा के अनुसार आगन्तुको का साफा बन्धन कर स्वागत किया। कार्यक्रम मंच संचालन श्रीमती अमिता भार्गव जी ने किया। दो दिवसीय बैठक में विभिन्न सत्रो में विभिन्न विषयों पर समाज के पदाधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा सम्बोधित किया गया। अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि) के द्वारा समाज के महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव पारित किये गये। इन प्रस्तावों में समाज में विधवा,परित्यक्ता, बेसहारा बच्चे,एवं वृद्धों के जीवनयापन हेतु कल्याणकारी योजनाओ का समाज

बन्धुओ द्वारा ताली की गडगडाहटो से स्वागत किया गया। ग्लोबल महिला भार्गव सभा की अध्यक्षता श्रीमती रेणु भार्गव कानपुर ने की। सत्र में समाज की महिलाओं को भी शिक्षा एवं रोजगार में पर्याप्त भागीदारी हेतु विशेषज्ञों ने अपने सुझाव दिये। अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के सत्र में युवाओं को शिक्षा में सहायता एवं रोजगार में सहायता पर चर्चा की गयी। युवाओ की समाज में आवश्यक भागीदारी हेतु सदस्यता अभियान पुनः चलाने पर मन्थन किया गया। अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ की अध्यक्षता हेमन्त भार्गव जयपुर ने की। बैठक में अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि) द्वारा विगतवर्षो के आय व्यय का अनुमोदन किया गया। आगामी वर्ष की लक्ष्य एवं योजनाओं का पूर्ण आकलन किया गया। सचिव च्यवन भार्गव ने बैठक में पधारे सभी समाज पदाधिकाारियों बन्धुओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अलवर का इतिहास एवं भृगु वंश का अलवर में सक्रिय योगदान इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि) के प्रधान श्री नरेश भार्गव, प्रधान सचिव एच0 एन0 भार्गव, उप-प्रधान श्री दिनेश भार्गव अलवर, श्री सुभाष भार्गव अहमदाबाद, श्री राकेश भार्गव आस्टेलिया,श्री गिरीश भार्गव लखनऊ, श्री सुरेन्द्रनाथ जी व प्रमोद भार्गव जोधपुर सहित आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। अलवर भार्गव सभा के पदाधिकारी प्रदीप भार्गव,रामबाबू भार्गव,सुरेश भार्गव, कपिल भार्गव,रमेश भार्गव, हरीश भार्गव, अंकुर भार्गव, मदनलाल भार्गव, आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। दो दिवसीय बैठक के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन भी किया गया।अलवर भार्गव समाज की प्रतिभागियो ने बढ चढकर भाग लिया विजेता प्रतिभागियो को पुरस्कार वितरित किये गये।

विधालय समय के बाद लम्पी वायरस महामारी मे गौ सेवा कर रहा शिक्षक ओर उसका दल

मरुधर विशेष / नरेन्द्र शास्त्री

भीलवाड़ा। लम्पी वायरस जिससे पुरा प्रदेश बेहाल है , राजस्थान समेत 13 राज्यों मे यह महामारी अपने पैर पसार चुकी और लेकिन कुछ कर्मवीर ऐसे भी है जो अपने हौसलों से इस बीमारी को मात देने मे 24 घंटे अपनी सेवाएं दे रहे है संस्कृत शिक्षा विभागीय प्रदेश उपाध्यक्ष गणपत सिंह चारण ओर उनका गौ सेवा दल जाली जहा कही भी गौ माता के बीमार होने की खबर मिलती है अपने दल बदल के साथ पहुंच कर इलाज करते है ,गणपत सिंह चारण बताते है की उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगो से सहयोग की अपील की ओर लोगो ने धन के साथ साथ दवाई देना व जुड़ना भी चालू कर दिया , अब तक यह दल 800 से उपर गायों का इलाज कर चुका है व 500 किलो देशी आयुर्वेदिक लड्डू खिला चुका है , देर रात रतनपुरा में लंपी वायरस से ग्रसित गायों का गौ रक्षक दल ने इलाज किया ,इस मौके पर युवा साथी मनोज जी सेन , हस्तीमल जी सेन, गणपत सिंह जी ,भगवान दास जी, लक्ष्मण जी वैष्णव, मदन लाल जी, देवेंद्र सिंह जी , ललित जी महावीर सिंह जी, वि पी सिंह जी, शंकर जी साहू, भंवर लाल जी गुर्जर, प्रकाश जी गुर्जर , लालाराम जी गुर्जर , भगवान जी गुर्जर , प्रभु जी गुर्जर , ईश्वर सिंह जी चुंडावत, भगवान लाल जी गर्ग , महावीर सिंह जी चारण, लक्ष्मीनारायण जी , बाबूलाल जी गुर्जर , और भी क्षेत्र के सभी युवाओं ने तन मन धन से सहयोग किया।

तिजारा रामलीला मंचन के लिए किया भूमि व बल्ली पूजन

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा आदर्श अभिनय समाज सेवा समिति रजिस्टर्ड तिजारा द्वारा सोमवार को चरीवाला मैदान , शिव मंदिर रोड पर रामलीला मंचन के आयोजन हेतु भूमि पूजन व बल्ली मुहूर्त का आयोजन किया गया ! पंडित वेद प्रकाश शर्मा द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन किया गया तत्पश्चात उपस्थित जनप्रतिनिधियों के कर कमलों द्वारा बल्ली लगाकर रंगमंच बनाने का शुभारंभ किया गया ! रामलीला मंचन आयोजन समिति अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने बताया कि 22 सितंबर से भव्य आदर्श रामलीला मंचन का आयोजन किया जाएगा ! इस बार एलईडी स्क्रीन डिजिटल पर्दे पर चल चित्रों के माध्यम से रामलीला मंचन के दृश्य दिखाए जाएंगे ! अच्छे कलाकारों द्वारा 50 फुट के रंगमंच पर रामलीला का मंचन किया जाएगा ! ख्याति प्राप्त व लोकप्रिय गायक पंडित टेकचंद शर्मा द्वारा मधुर वाणी में रामायण वाचन किया जाएगा तथा मथुरा से पधारे ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे ! समिति अध्यक्ष इन्दर सिंह दहिया , सुधीर लखेरा , राधे सैनी , सतपाल सैनी , उग्रसेन सैनी , ठाकुर सिंह पालीवाल , हिमांशु कटारिया , कपिल अग्रवाल , हरिओम सैनी , पुरुषोत्तम गजमोती , सुभाष कपिल जैन , अग्रवाल , कैलाश सैनी , मदन शर्मा , विनोद सैनी , राहुल , बिजेन्द्र , आदि समिति कार्यकर्ताओं ने रंगमंच व तैयार करने की व्यवस्था को संभाला ! इस अवसर पर वाइस चेयरमैन हरीश कुमार सांवरिया , पूर्व चेयरमैन कमलेश कुमार सैनी महंत जस्सू महाराज , पूर्व वाईस चेयरमैन बनय सिंह बिधूड़ी , पार्षद सुल्तान सिंह , अनिल कुमार , सैनी पूर्व पार्षद वीरेंद्र सैनी , कमल गुर्जर , कुणाल सुनारिया , विशंभर सैनी , विनोद यादव , मुकेश जैन , निरंजन सैन , नितिन अग्रवाल , राजदत्त मिश्रा , आशीष अग्रवाल , अशोक सिंधी , नवल किशोर सैनी , रमेश शायर , दयानंद सोनी , हरिनारायण शर्मा , एडवोकेट दीपक गुप्ता , देवेंद्र नैना , सुभाष लखेरा , महेश जोगी हिमांशु आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पीसीसी कोषाध्यक्ष व विद्याधर नगर कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल ने की जन सुनवाई

मरूधर विशेष/श्याम खण्डेलवाल

पीसीसी कोषाध्यक्ष व विद्याधर नगर कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नं0 19 जनता की समस्याओ को लेकर डिफेन्स कॉलोनी निवारू रोड झोटवाडा में जनसुनवाई का कार्यक्रम रखा व इस दौरान वार्ड की लगभग 16 कॉलोनीयों ने अपनी समस्यो के बारे में अवगत करवाया। इसमे मुख्य समस्या पानी की समस्या रही हैं। कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल ने आश्वस्त किया कि जल्द से जल्द बीसलपुर लाईन डलवाई जायेगी साथ ही कॉलोनीयों का नियमन करवाकर पटटे दिलवाये जायेगी। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मोजूद रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन पूर्व वार्ड नं. 07 अध्यक्ष अशोक जोशी व पूर्व वार्ड नं.0 06 उपाध्यक्ष मुकेश सैनी द्वारा किया गया। इस दौरान पार्षद महेश अग्रवाल, जयपुर शहर महासचिव अजीत सिंह काविया, डिसीसी उपाध्यक्ष रणवीर सिंह तंवर, दीपक जांगिड, सुरेश चन्द घटाला, मुकेश शर्मा व सभी 16 कॉलोनीयो के अध्यक्ष व सैकडो कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

मीणा समाज की कार्यकारिणी का गठन किया गया

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर के रामपुर में मीणा समाज की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें नई कार्यकारिणी गठन को लेकर चर्चा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से रामअवतार मीणा (पूर्व सरपंच और सरपंच संघ अध्यक्ष बानसूर)को मीणा समाज का अध्यक्ष चुना गया। मीणा समाज की नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष रुडमल मीणा ,सचिव रामअवतार मीणा (अध्यापक), कोषाध्यक्ष अमर सिंह मीणा को सर्वसम्मति से चुना गया। वहीं इस दौरान बैठक में समाज में फैल रही कुरीतियों को लेकर चर्चा की गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि समाज को साथ लेकर चलना ही पहली प्राथमिकता होगी। समाज में फैल रही कुरीतियों को दूर करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इस दौरान कार्यकारिणी के नवनिर्वाचित सदस्यों का समाज के लोगों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान बैठक में लालाराम मीणा ,मातादीन मीणा ,हरफूल मीणा (सरपंच कल्याणपुरा), अंग्रेज मीणा ,रोशन मीणा (पूर्व उपसरपंच), कैलाश मीणा, साहिल मीणा (उपाध्यक्ष छात्रसंघ बानसूर), पप्पू मीणा, अमित मीणा, नाहरसिंह मीणा, महेन्द्र मीणा, राजू मीना सहित समाज के लोग मौजूद रहे।

राजकीय नर्सिंग कॉलेजों में शिक्षकों की सीधी भर्ती हेतु सयुंक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस

मरूधर विशेष/वरिष्ठ पत्रकार सत्री आर्त्य

ग्लोबल फ़ाउंडेशन फॉर नर्सिंग प्रॉफ़ेशन एंड सोशियल सर्विसेज, राजस्थान संविदा नर्सेज एसोसिएशन एवं राजस्थान प्राइवेट नर्सेज एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में नए खोले गए राजकीय नर्सिंग कॉलेजो में टीचिंग फैकल्टी के पदो पर प्रशासनिक,वितीय एवं सीधी भर्ती कि स्वीकृति हेतु प्रेस कॉन्फ्रेंस की गयी।

ग्लोबल फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष ओमप्रकास स्वामी ने बताया की हाल ही मे राज्य सरकार ने राजमेश के तहत लगभग 27 नए नर्सिंग कॉलेज स्वीकृत किए है साथ है पूर्व में 8 सव वितपोषित नर्सिंग कॉलेज तथा आरयूएचएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग संचालित है परंतु आज दिनांक तक इन सभी कॉलेजों मे नर्सिंग शिक्षकों कि सीधी भर्ती नहीं हुयी है।

राज्य सरकार ने अस्पतालो के स्टाफ (ग्रेड नर्स - 2) को ही इन कॉलेजों मे कार्य व्यवस्था हेतु लगाया है, साथ ही एएनएम टीसी एवं जीएनएम टीसी के प्रधानाध्यापकों को राजमेश के अंतर्गत संचालित नए नर्सिंग कॉलेज मे प्रधानाचार्य का अतिरिक्त कार्यभार सौपा है इनमे से ज़्यादातर प्रधानाध्यापक बी. एससी. नर्सिंग योग्यता रखते है जो की नर्सिंग कॉलेजों के लिए अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव नहीं है, साथ ही यह रेग्युलेटरी बॉडी के मापदंडो के सरासर विरुद्ध भी है।

राजस्थान मे पिछले कई सालों से नर्सिंग शिक्षकों की कोई भी सीधी भर्ती नहीं निकाली गयी है 7यहाँ तक की राजस्थान मे अनेक स्ववित्तपोषित महाविद्यालय नर्सिंग का कोर्स विगत कई वर्षो सें करा रहे हैं7 जबकि इन सभी स्ववित्तपोषित सरकारी कॉलेजो मे शेक्षणिक स्टाफ को हॉस्पिटल से (स्टाफ नर्स) एवं नर्सिंग स्कूल से नसिंग ट्यूटर पद से पद विरुद्ध पद स्थापन कर करके लगाया गया है जो की किसी भी सूरत मे न्याय/तर्क संगत नहीं है7 अकेले राजस्थान राज्य मे ही लगभग 5800 ग्रेजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षक प्राइवेट नर्सिंग कॉलेजों मे कार्यरत है और तो और रोजगार मांगने पर या शिकायत पर जिम्मेदार अधिकारी किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं करते अपितु नयी भर्ती निकालने की बात पर अपना पल्ला झाड लेते है7 विगत बजट में राज्य के मुख्यमंत्री जी की घोषणानुसार समस्त जिलों में नर्सिंग महाविध्यालय खोला जाना प्रस्तावित है और आज दिनांक तक नए महाविध्यालय खोल भी दिये गए परंतु राज्य सरकार के अंतर्गत संचालित नर्सिंग महाविध्यालयों में आज दिनांक तक नियमित पद स्थापन नहीं हुया है हाल ही मे राज्य के मुख्यमंत्री जी ने भी राज्य मे अटकी सभी भर्तियों को निकालने के लिए कहा है7साथ ही मुख्यमंत्री जी ने कहा की जहा आवश्यकता हो वहा नियमों में संशोधन कर भर्ती प्रक्रिया को प्रारम्भ किया जाना सुनिचित करे और दूसरी तरफ राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविधालय द्वारा बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की बैठक दिनांक 4/10/2019 में भी नर्सिंग कॉलेज में भर्ती के लिए निर्णय लिया गया था पर इस पर भी अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी है अपितु अपने ही निर्णय की अवहेलना कर प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापन कर दिया गया। यहाँ यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है की माननीय चिकित्सा एवं स्वस्थ्य मंत्री राजस्थान सरकार के स्पस्ट निर्देश है की कोई भी चिकित्सा एवं नर्सिंग क्रमी पद विरुद्ध कार्य वयवस्था एवं प्रतिनियुक्ति पर नहीं लगाया जाय परंतु इसके बावजूद भी नए नर्सिंग कॉलेजों मे पद विरुद्ध अनुभव हीन व कार्यवायवस्था के अनुरूप ही स्टाफ लगाए गए जो की स्वयं राज्य सरकार के आदेशों की अवहेलना है7जिसकी वजह से सम्पूर्ण नर्सिंग प्रॉफ़ेशन के युवावों मे भयंकर रोष व्यापत है7 तथा नर्सिंग शिक्षको की सीधी भर्ती पर कुठारघाट है जो की सरासर गलत एवं न्याय विरुद्ध है। राजस्थान संविदा नर्सेज एसोसिएशन अध्यक्ष श्री गिरीश शर्मा ने बताया की आज इस संबंध मे विस्तृत चर्चा कर प्रेस कॉन्फ्रेंस के मध्यम से राज्य सरकार से इन सभी नए राजकीय नर्सिंग कॉलेजो में टीचिंग फैकल्टी (प्रधानाचार्य1,उपप्रधानाचार्य1, आचार्य 2,सहआचार्य 5, सहायक आचार्य 9, नर्सिंग ट्यूटर 28) के पदो पर प्रशासनिक,वितीय एवं सीधी भर्ती कि मांग की गयी अन्यथा मजबूरन आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा। डॉ. योगेश यादव, टीएनएआई महासचिव ने बताया की नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता एवं शोध को बढ़ावा देने के लिए राजकीय नर्सिंग कॉलेजों में मापदंडो अनुसार नियमित एवं सीधी भर्ती प्रक्रिया आविलम्ब शुरू की जानी चाहिए। इस संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस मे रवीद्र शर्मा, डॉ पवन शर्मा,सुनील शर्मा, रामधन गिल्ला हेमंत त्यागी, कृष्णा नन्द मित्तल, विकास गौतम, जितेंद्र जैन, सुभाष शर्मा, शिवकुमार शर्मा सहित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित रहे।

विप्र फाउंडेशन परिवार सूरत द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही निशुल्क होम्योपैथिक दवाई

बांसवाड़ा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। विप्र फाउंडेशन परिवार कुशलगढ़ द्वारा लगातार 20 रोज से लंपी रोग बीमाविप्र फाउंडेशन परिवार सूरत द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही निशुल्क होम्योपैथिक दवाई री को भगाने एवं गौ माता की रक्षा के लिए विप्र फाउंडेशन परिवार सूरत द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही निशुल्क होम्योपैथिक दवाई का क्षेत्र में वितरणकिया जा रहा है लगभग 2000 लोगों तक की दवाई का वितरण हो चुका है यह दवाई निशुल्क है दवाई 15 15 बूंद दिन में तीन बार बीमार गौमाता को नंदी महाराज को देना है यह दवाई 7 दिन तक देना है दवाई देने से आधे घंटे पूर्व गौमाता नंदी महाराज को कुछ खिलाना पिलाना नहीं है और दवाई देने के आधे घंटे बाद भी कुछ खिलाना पिलाना नहीं है विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ प्रदेश संगठन मंत्री हेमेंद्र पंड्या ने बताया कि गौमाता संरक्षण हेतु विप्र फाउंडेशन परिवार पूरे राजस्थान में नहीं पूरे भारत में अग्रणी भूमिका निर्वाह कर रहा है सूरत विप्र फाउंडेशन गुजरात द्वारा निशुल्क समय समय पर दवाई हमें उपलब्ध करवाई जा रही है पूरे जिले में विप्र वाहिनी विप्र युवा प्रकोष्ठ विप्र फाउंडेशन के बंधु क्षेत्र में जाकर स्वयं गौ माता को नंदी महाराज को दवाई पिला रहे हैं एवं जनता को समझा कर यह दवाई पिलाने का नुक्सा बता रहे हैं इस दवाई का शानदार परिणाम आने लगे हैं क्षेत्र में जिन्होंने भी गौ माता को नंदी महाराज को दवाई पिलाई उनके फोन आ रहे हैं कि यह दवाई से हमारी गौ माता ठीक होने लगी है फोड़े फुंसी कम होने लगे हैं उसी उद्देश को लेकर विप्र फाउंडेशन परिवार कुशलगढ़ संकल्पित है गौमाता के रक्षण के लिए यह दवाई निशुल्क कुशलगढ़ में परशुराम कुटिया नागनाथ साईं मंदिर परिसर कुशलगढ़ में बाटी जा रही है इस कार्य में विप्र फाउंडेशन जिला महामंत्री चंद्र शेखर शर्मा विप्र फाउंडेशन जिला उपाध्यक्ष तिलोत्तमा पंड्या प्रदीप जी जोशी अशोक जोशी लाला बैरागी पंकज बैरागी हरि सिंह जी भगत संजय जोशी कृष्णकांत पंड्या विप्र वाहिनी से दिव्या पंड्या घाटा क्षेत्र में आनंद जोशी हर्षवर्धन पंड्या दुर्गा शंकर शर्मा प्रीतेश पंड्या मोकमपुरा में बहादुर सिंह जी खैरपुर में सरपंच साहब एवं पशु चिकित्सालय के डॉक्टरों के सहयोग से क्षेत्र में होम्योपैथिक दवाई का निशुल्क वितरण किया जा रहा है एवं स्वयं जाकर भी क्षेत्र में गौमाता को नंदी महाराज को दवाई पिला रहे हैं। ये जानकारी हेमेंद्र पंड्या ने दी।

सामूहिक कन्या पूजन तथा सामाजिक समरसता भोज की तैयारी बैठक सम्पन्न

बांसवाडा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। सर्व सनातन जागरण मंच द्वारा नवरात्रि की नवमी पर आयोजित किये जाने वाले भव्य सामूहिक कन्या पूजन तथा सामाजिक समरसता भोज की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन रतलाम रोड स्थित आयोजन स्थल हार्मनी गार्डन में सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम को ओर अधिक भव्य बनाने पर चर्चा हुई, कार्यक्रम 2 वर्ष के कोरोना काल के बाद पुनः शुरू हो रहा है अतः सभी कार्यकर्ताओं ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम की भव्यता पर चर्चा करि। कार्यक्रम की शुरुआत लम्पि वायरस से ग्रस्ति गौमाता को राहत देने हेतु हनुमानचालीसा का पाठ कर प्रार्थना की गई , इसके पश्चात अनुराज सिंघवी ने कार्यक्रम की रूपरेखा उपस्थित अतिथियों व स्वयंसेवकों को दी व व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा करि 7 संघवी ने बताया कि कोरोना के कारण से 2 सालों से कार्यक्रम बड़े स्तर पर आयोजित नही किया जा रहा तज लेकिन इस बार कार्यक्रम को पुनः अपने पुराने व भव्य रूप में मनाया जाएगा 7 कार्यक्रम में आये अतिथियों ने भी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अपने अपने सुझाव व विचार व्यक्त किये 7 कार्यक्रम के निमित्त विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अलग अलग कमेटियों का गठन किया गया व सदस्यों को जिम्मेदारियां दी गयी साथ ही इस वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में भी संपर्क कर वहां की सहभागिता सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई 7 इस बार कार्यक्रम में वागड़ के गायक कलाकार, कवि व अन्य कलाकार अपनी भक्तिमय प्रस्तुति देंगे 7 कार्यक्रम को सामाजिक समरसता, सामाजिक एकता और एकत्रीकरण की उसकी मूल उद्देश्य ओर भावना के अनुरूप सुचारूरूप से सम्पन्न करने हेतु सभी ने एक स्वर में सहमति जताई व संकल्प लिया 7 कार्यक्रम के अंत मे पुनः शांति पाठ के साथ गौमाता के लिए प्रार्थना की गयी। कार्यक्रम के अंत मे आभार मंच के सुमित जैन ने व्यक्त किया वही संचालन मंच के नीरज पाठक ने किया।

तिजारा महावर वैश्य सेवा समिति के चुनाव निर्विरोध हुए

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा महावर वैश्य नवयुवक सेवा समिति की कार्यकारिणी का आम सहमति से मनोनयन हुआ जिसमे महेश गुप्ता को अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद पर विनीत गुप्ता,सुभाष गुप्ता,दीपक गुप्ता,महामंत्री सुधीर गुप्ता,कोषाध्यक्ष त्रिलोक गुप्ता,प्रचार मंत्री आशीष गुप्ता,सचिव मोहित गुप्ता,सह सचिव विपिन गुप्ता को बनाया गया।इस अवसर पर सभी सदस्य गण उपस्थित थे नव कार्यकारिणी को पद गोपनीयता की शपथ दिला समाज को अग्रसर सेवा भाव से कार्य करने का प्रण दिलाया।

ग्राम सेवा सहकारी समिति मसारी में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को किया निर्विरोध निर्वाचित

मरूधर विशेष / दिनेश लेखी

कठूमर। ग्राम सेवा सहकारी समिति मसारी में सोमवार को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये। चुनाव अधिकारी मनोज कुमार सोनी ने बताया ग्राम सेवा सहकारी समिति मसारी में अध्यक्ष के लिये सुमन्त शर्मा और उपाध्यक्ष के लिये अनिल का नामांकन प्राप्त हुआ। जिन्हे निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। समिति के व्यवस्थापक शिव गणेश ने बताया कि अध्यक्ष उपाध्यक्ष के निर्वाचन में गांव के सहयोग से दोनों पदों पर निर्विरोध निर्वाचित व चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुए।

गौ माता के उपचार के लिए औदीच्य समाज ने बढ़ाया हाथ,दिया जागरूकता का सन्देश

पशु चिकित्सालय पालोदा में वितरित की गई दवाईयां

बांसवाडा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाडा। श्री सहस्र औदीच्य ब्राह्मण समाज पालोदा द्वारा गौ माता पर आई विपदा लम्पि वायरस के बचाव हेतु समाज व युवा मंडल द्वारा सेवाराशि एकत्रित कर पशु चिकित्सा विभाग को दवाइयां भेंट की गई। समाज के अध्यक्ष वासुदेव भट्ट ने बताया कि गौ माता के लिए समाज के युवा आयुष व्यास ने उचित उपचार हेतु मेडिकल दवाईयों की आवश्यकता बताई,इसके बाद से समाज के सभी युवाओं व भामाशाहों ने सहयोग राशि हेतु हाथ बढ़ाया। समाजसेवी कांतिलाल जोशी ने बताया मानवता के लिए समाज हमेशा अग्रसर रहा है। विभाग के डॉ. अभिषेक कैन ने बताया कि समाज द्वारा प्रमुख औषधियां आइवरमेक्टिन, लिवामिसोल, एंड्रोक्स, पीसीएम व फिनाईल जैसी कई दवाइयां वितरित की गई, डॉ शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि आस- पास के गांवों की 400 गायों व 60 लावारिस गौ वंश का वैक्सीनेशन भी किया गया है। इस अवसर पर पशु चिकित्सा विभाग द्वारा गांव में आइसोलेशन सेंटर बनवाने की भी मांग की गई। युवा विशाल व्यास ने इस पहल पर समाज व भामाशाहों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर समाज के भगवतीशंकर जानी,प्रदीप व्यास,अश्विन जानी,पत्रकार विनोद त्रिवेदी,नयन व्यास,जिगर व्यास व युवा सांसद यश व्यास सहित आदि उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन यश व्यास ने किया। ये जानकारी यश व्यास ने दी।

राजवाड़ा सेवा सहकारी समिति संचालन मंडल अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। सहकारिता विभाग के अधीन संचालित राजवाड़ा ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड के संचालन मंडल में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सभी सदस्यों की सहमति से निर्विरोध निर्वाचित किए गए अध्यक्ष पद पर बलवीर सिंह चौधरी को व उपाध्यक्ष पद पर महेंद्र सिंह चौधरी को निर्वाचित किया गया। चुनाव अधिकारी बाबूलाल मीना ने बताया कि राजवाड़ा ग्राम सेवा समिति के अधीन ग्राम राजवाड़ा व माजरी भांडा के 12वार्ड में से दस सदस्य सात सितम्बर को निर्विरोध चुने गए और 2 सदस्यों का चुनाव 17सितम्बर को किया गया जिसमें वार्ड नंबर 6 से भूरेलाल व वार्ड नंबर 12 से कपिल चौधरी ने जीत हासिल की तदुपरांत 19 सितम्बर को अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होने थे जिसमें सदस्यों ने अपनी सूझबूझ दिखाते हुए सर्व सहमति से अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध चुन दिए गए आपको बता दें कि अध्यक्ष पद के लिए राजवाड़ा से बलवीर सिंह चौधरी को वह उपाध्यक्ष के लिए माजरी भांडा से महेंद्र सिंह चौधरी को शपथ दिलाई व सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रमाण पत्र देख कर शपथ दिलाई और बधाई दी गई। इस मौके पर रोहताश चौधरी, बलबीर चौधरी , महेंद्र सिंह चौधरी, महेंद्र सिंह बोहरा, नफे चौधरी,अशोक चौधरी, संतोष देवी, भूरेलाल, मामचंद चौधरी,कपिल चौधरी,रामफल चौधरी, रामजस जागीदर, समाज सेवक किशोरी लाल चौधरी, कर्ण सिंह बोहरा, भूप सिंह बोहरा, जसराम चौधरी, रामकिशन चौधरी,सुंदर ए एल आई,पवन चौधरी,महेश,नाहरसिंह चौधरी,हंसराज चौधरी,रमेश चौधरी सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

कजारिया सिरेमिक्स लिमिटेड मलूताना थानागाजी द्वारा लंपी रोग के प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु आर्युवेदिक लड्डुओं का वितरण

मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़। 19सितम्बर को पंचायत समिति थानागाजी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में लोकेश मीना, सदस्य राजस्थान युवा बोर्ड द्वारा कजारिया सिरेमिक्स लिमिटेड मलूताना थानागाजी द्वारा लंपी रोग के प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु शुभेच्छा फाउंडेशन, डबल्यू आर आर सी, के सहयोग से एवं विकास अधिकारी मातादीन मीना ,पशुपालन विभाग के नोडल अधिकरी डॉ मनोज मीना के आग्रह पर दस हजार आर्युवेदिक लड्डुओं का वितरण थानागाजी पंचायत समिति क्षेत्र की समस्त ग्राम पंचायतों एवं नगर पालिका क्षेत्र की गायों को खिलाने हेतु वितरण किया गया, कजारिया सिरेमिक्स के प्रबंधक अनिल सिंह ने बताया की लंपी रोग प्रकोप को देखते हुए कंपनी द्वारा गौ सेवा हेतु यह राशी मंजूर की है,साथ ही उन्होने शुभेच्छा फाउंडेशन अध्यक्ष डॉ विजय मंडोवरा एवं कजारिया के कार्मिक प्रबंधक विनोद त्रिवेदी एवं गिरीश गोयल की लडडू तैयार करने में विशेष भूमिका हेतु सराहना की एवं साथ ही डॉ विजय मंडोवरा एवं शुभेच्छा सचिव अनुपमा शर्मा का उनके योगदान के लिए सम्मान किया गया द्य कार्यक्रम में पचायत समिति प्रधान जय प्रकाश प्रजापत, रामेश्वर दयाल यादव, अध्यक्ष ब्लॉक सरपंच संघ, श्रीमती सावित्री राजेश वाइस चेयरमैन नगरपालिका थानागाजी, कैलाश चंद मेहरा तहसीलदार थानागाजी, पशु पालन विभाग से डॉ रमेश वर्मा नोडल अधिकारी नारायणपुर, डॉ रतन वर्मा शुभेच्छा फाउंडेशन सचिव अनुपमा शर्मा आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम संचालन अमित शर्मा द्वारा किया गया, आभार विनोद त्रिवेदी ने माना

ग्राम सेवा सहकारी समिति तुसारी में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को किया निर्विरोध निर्वाचित

मरूधर विशेष/ दिनेश लेखी

कठूमर। ग्राम सेवा सहकारी समिति तुसारी में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। वही मैथना में अध्यक्ष का चुनाव हुआ। चुनाव अधिकारी ज्योति सिनसिनवार ने बताया ग्राम सेवा सहकारी समिति तुसारी में अध्यक्ष के लिये धर्मसिंह और उपाध्यक्ष के लिये विजयपाल का नामांकन प्राप्त हुआ। जिन्हे निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। वही मैथना में शिवचरण को अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। उपाध्यक्ष पद पर कोई नामांकन नही मिलने पर पद रिक्त रखा गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत उपखंड कार्यालय से महा सफाई अभियान की हुई शुरुआत

मरूधर विशेष / दिनेश लेखी

कठूमर। उपखंड मुख्यालय पर सोमवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत उपखंड कार्यालय से महा सफाई अभियान की शुरुआत कठूमर सरपंच शेरसिंह मीणा द्वारा की गई। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत महा सफाई अभियान के अंतर्गत समूचे कस्बे में सफाई की जावेगी। ज्ञात रहे 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत 15 सितंबर को पंचायत समिति परिसर से अभियान का शुभारंभ किया जा चुका है। इसके साथ ही गंदगी न फैलाएं का संदेश दिया गया। इस मौके पर कठूमर सरपंच शेरसिंह मीणा, एसवीएम के ब्लॉक कॉर्डिनेटर मनोज भारद्वाज, रिमांशु शर्मा ,पिंटू, सहित वार्ड पंच,सफाईकर्मी आदि मौजूद रहे।